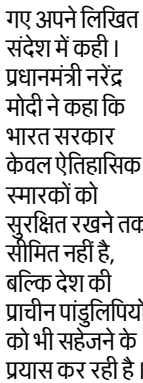


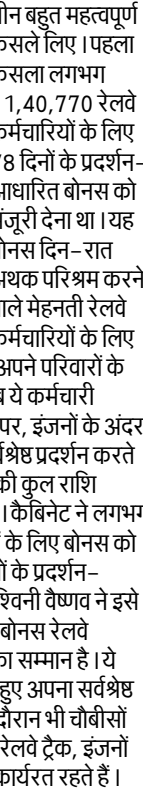
## समाचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत का सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार पहचान मिल रही है। भारत का संगीत, नृत्य, सिनेमा और खानपान दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों को भारत से जोड़ने का काम कर रहे हैं। उन्होंने यह बात 'बृहतर भारत दुनिया भर में भारत के सांस्कृतिक संबंध' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भेजे

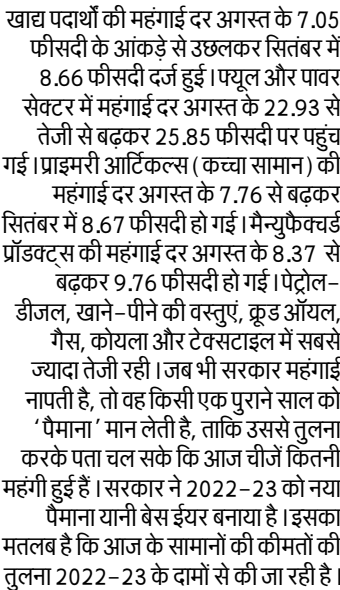


इसकी लिए ज्ञान भारतम पहल के तहत काम किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत की पांडुलिपियों से जुड़ी विरासत को संरक्षित करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि दूसरे देशों में मौजूद भारत की प्राचीन धरोहरों को वापस लाने के प्रयासों को नई गति मिली है। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 14 से 16 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन संस्कृति मंत्रालय के तहत आने वाला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) कर रहा है। सम्मेलन में भारत की सांस्कृतिक विरासत और देश के दूसरे समाजों व सभ्यताओं के साथ उद्देश्य संबंधों पर चर्चा हो रही है। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे।

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को तीन बड़े फैसलों का ऐलान किया। इन फैसलों में रेलवे कर्मचारियों को सरकार ने त्योहारों से पहले बड़ी सीमागत दी है। कैबिनेट ने लागूभू 11, 40, 770 रेलवे कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन-आधारित बोनस को मंजूरी दी है। यह बोनस 78 दिनों के वेतन के बराबर होगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे मेहनती रेलवे कर्मचारियों के लिए दीवाली का तोहफा बताया। वैष्णव ने बताया, आज कैबिनेट ने



खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर, फुटकर महंगाई में भी तेजी



अजंक्य शिंदे को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसआईएम) कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए सीरब और आशुतोष को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीजेपी के कानूनी मामलों के प्रमुख रत्ना सिंह ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि सीरब और आशुतोष को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

## प्रेमी साहिल को भी सजा-ए-मौत, मेरठ कोर्ट का बड़ा फैसला

**मेरठ (एजेंसी)।** मेरठ के बहुचर्चित सीरम राजपूत हत्याकांड यानी नीला डूब केस में अदालत ने दोनों दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत ने फैसला सुनते ही मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला भावुक हो गए। जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत में बुधवार को सजा पर सुनवाई की। वहीं मुस्कान कह कि उसकी दो बेटीयाँ हैं उनका ख्याल रख जाए। हालांकि लंच से पहले ही जेजे ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश की दोनों दोषियों से अदालत ने पूछा कि क्या सजा सुनाए जाने से पहले कुछ कहना चाहते हैं। दोनों ने जवाब दिया कि उन्हें

नहीं कहना है। लंच के बाद दोनों को दोबारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। इसके बाद अदालत ने सजा सुनाई। जेल प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, फैसला सुनते समय मुस्कान में हाथ जोड़ रखे थे और बाद में रोने लगी। साबिल सुल्तानी की आंखें भी नम हो गईं। इस मामले में अभियोजन पक्ष ने अपराधों की गंभीरता और क्रूरता का हवाला देते हुए दोनों के लिए मृत्युदंड की मांग की थी। दूसरी ओर, बचाव पक्ष ने सुपां की दो बैठियों के भविष्य और परिवारों का हवाला देकर अदालत से नरमी बरतने की अपील की थी।

भारत में इजरायल प्लाइट जैसा खौफ, जयपुर में इमर्जेंसी लैंडिंग

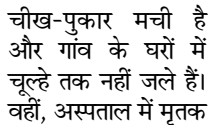
और विमान को आन-फानमें जगपुर इंटरनेशनल एअरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारा गया। हुआ यह कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या एएई-2030 में अहतनी की सूचना मिली थी। विमान के पायलट की ओर से इमरजेंसी अवरॉट बटन को दबाते 7500 दर्बन पर सुरक्षा एजेंसियां आने लगीं। यह बहन आपातकाल में ही दबाया जाता है। इससे पता चलता है कि विमान को हार्डजैक कर लिया गया है।

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**  
केरल हाई कोर्ट ने अनुभवी वकील 100 साल के पी. बालासुब्रमण्यन मेनन को सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिया है। मेनन के नाम एक प्रैक्टिसिंग वकील के तौर पर सबसे लंबे करियर का गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज है। उन्हें यह सम्मान उनके 10 अक्टूबर को 100वें जन्मदिन से ठीक एक दिन बाद मिला है। हाईकोर्ट ने सोमवार यानी 11 अक्टूबर को पीबी मेनन को 12 अक्टूबर से सीनियर एडवोकेट के तौर पर नियुक्त किया।

100 साल के पीबी मेनन की लाइफ में रिटायरमेंट नहीं—द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीबी मेनन की जिंदगी में रिटायरमेंट या रिटायर होने जैसी कोई चीज नहीं है।

एक घर से सात बच्चों के शव उठे, दूसरे से पांच, मची चीत्कार

एक ही गांव से एक साथ कई बच्चों की अर्थियां उठीं। हर तरफ



बच्चों के परिजनों का दर्द देखकर जिलाधिकारी वर्षा सिंह



भी खुद को संभाल नहीं पाईं। वह परिजनों के गले लगकर रोने लगीं। इस दृश्य को देखकर

बताया जाता है कि रामपुर श्यामदन्त पंचायत के भगवान टोला स्थित माना महारानी रथान के पास सिधेश्वर राय के यहां भोज का आयोजन किया गया था। गांव के करीब 20 लोग एक छोटी और जर्जर नाव पर सवार होकर ढाब के उस पार भीरु खाने जा रहे थे। नाव जैसे ही बीच ढाब में पहुंची, ओवरलॉड होने और जर्जर स्थिति के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। देखते ही देखते नाव पर सवार लोग भारी पानी में डूबने लगे। हादसे की सूचना मिलते ही रामपुर श्यामदन्त पंचायत और आसपास के गांवों के सैकड़ों लोग घटनास्थल पर और दौड़ पड़े। रात के अंधेरे में ग्रामीण मोबाइल की रोशनी के सहारे बचाव कार्य में जुट गए। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोग पानी से सभी लोगों को बाहर निकाला और आनन-फ़ानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), रघोपुर तहसील पहुंचाया।

## मुस्कान ने बेटी से मिलने की गुजारिश की है

सीनियर जेल सुपरिंटेंडेंट वीरेश राज शर्मा के मुताबिक, मुस्कान पिछले तीन-चार दिनों से अपनी बड़ी बेटी से मिलने के गुजारिश कर रही थी। बच्ची की उम्र करीब सात साल बताई गई है। हालांकि, जेल अधीक्षक के अनुसार, बच्ची को उससे मिलाने के लिए जेल नहीं लाया गया था। सजा पर सुनवाई के दौरान भी मुस्कान की दोनों बेटियाँ को मुद्दा नहीं दिया गया।

बचाव पक्ष की अधिवक्ता रेड्डी जैन ने बच्चियों के भविष्य और पालन-पोषण का हवाला देते हुए अदालत से कम सजा देने की अपील की। वहीं, अभियोजन पक्ष ने अपराध की गंभीरता को आधार बनाकर कड़ी सजा की मांग की।



# NEXTEDGE

MEDIA & CONSULTING PVT. LTD.

INNOVATE • CONNECT • GROW

## आइडिया से इम्पैक्ट तक

## आपका भरोसेमंद मीडिया और कंसल्टिंग पार्टनर

मीडिया की शक्ति  
सही रणनीति के साथ  
आपके ब्रांड, संगठन  
और समाज के विकास  
के लिए



### NMC MEDIA

न्यूज पब्लिकेशन, डिजिटल न्यूज, कंटेंट निर्माण और मीडिया कवरेज

- न्यूज पोर्टल एवं प्रकाशन
- कंटेंट राइटिंग
- विशेष रिपोर्ट / ब्रांड कवरेज
- इंटरव्यू और फीचर स्टोरी
- मीडिया डिस्ट्रिब्यूशन



### NMC PR

मीडिया रिलेशन, ब्रांड कम्युनिकेशन, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा प्रबंधन

- मीडिया रणनीति और प्लानिंग
- प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजन
- ब्रांड रोजगारिंग
- क्राइसिस कम्युनिकेशन
- इन्फ्लुएंसर एवं मीडिया नेटवर्क



### NMC EVENTS

कॉर्पोरेट इवेंट, सरकारी कार्यक्रम, प्रोडक्ट लॉन्च, एक्सपोजे, सेमिनार और ब्रांड इवेंट्स प्रबंधन

- कॉर्पोरेट इवेंट मैनेजमेंट
- प्रोडक्ट लॉन्च और ब्रांड एक्टिवेशन
- सेमिनार, सम्मेलन, एक्सपोजे
- सरकारी कार्यक्रमों का आयोजन
- एड-टू-एड इवेंट एक्सीक्यूशन



### NMC DIGITAL

सोशल मीडिया प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन, वेबसाइट विकास और ऑनलाइन ब्रांडिंग

- सोशल मीडिया मैनेजमेंट
- डिजिटल मार्केटिंग (SEO/SMO)
- वेबसाइट डिजाइन और डेवलपमेंट
- ग्राफिक डिजाइन एवं वीडियो कंटेंट
- डेटा प्लेटफॉर्मिक्स और रियल्टी



### NMC CONSULTING

बिजनेस स्ट्रेटेजी, सरकारी नीतियों परामर्श, शोध, सर्वे और प्रोजेक्ट कंसल्टिंग

- बिजनेस रणनीति और योजना
- सरकारी योजनाओं में सहयोग
- नीति परामर्श एवं विश्लेषण
- सर्वे, रियल्टी और डेटा विश्लेषण
- प्रोजेक्ट कंसल्टिंग और इम्प्लीमेंटेशन



**अनुभवी**  
मीडिया टीम



**रणनीतिक**  
दृष्टिकोण



**रिजल्ट**  
ओरिएंटेड कार्यशैली



**सरकारी एवं**  
निजी क्षेत्र का अनुभव



**दिल्ली-NCR**  
में मौजूद उपस्थिति



**आपके उद्देश्य के**  
अनुकूल समाधान

## ब्रांड से भरोसा, संवाद से सफलता



**कार्यालय:**  
962 Sarfabad, Sector 73,  
Noida 201304



+91 8920315602



www.nextedgemic.com



info@nextedgemic.com

हमसे जुड़ें








### परमिंदर सिंह हत्याकांड पर बोले प्रवेश वर्मा, सीएम भगवंत मान अपने पद से इस्तीफा दें

**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** पंजाब के मानसा में नशा विरोधी अभियान चलाने वाले कार्यकर्ता परमिंदर सिंह झोटा की हत्या को लेकर दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी ( आप ) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर भगवंत मान के अंदर थोड़ी भी शर्म बची है तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। प्रवेश वर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर एक वीडियो जारी कर कहा कि पंजाब के मानसा में इस के खिलाफ आवाज उठाने वाले सरदार परमिंदर सिंह की माफिया ने हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने इस घटना से जुड़ा वीडियो देखा है और भगवंत मान तथा अरविंद केजरीवाल ने भी इसे जरूर देखा होगा। उन्होंने कहा, ‘अगर थोड़ी भी शर्म बची है तो भगवंत मान को आज ही इस्तीफा दे देना चाहिए। ‘ प्रवेश वर्मा ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में जेन-जी और युवाओं की राजनीति की बात करने वाले नेताओं को पंजाब जाकर वहां के युवाओं के लिए संघर्ष करना चाहिए और नशे के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

### पीएम मोदी और मार्क कार्नी की फोन पर बातचीत, भारत-कनाडा संबंधों को नई मजबूती देने पर सहमति

**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा संबंधों में आए सकारात्मक माहौल को आगे बढ़ाने और रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख क्षेत्रों में ठोस परिणाम हासिल करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ गर्मजोशी और सार्थक बातचीत हुई। हमने भारत-कनाडा संबंधों में आए सकारात्मक बदलाव को आगे बढ़ाने और हमारी रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख क्षेत्रों जैसे व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, सुरक्षा और लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाने पर सहमति जताई है।’ उन्होंने कहा, ‘भारत और कनाडा मिलकर दुनिया को अधिक स्थिर और समृद्ध बनाने में योगदान दे रहे हैं। ‘

### परविंदर सिंह की हत्या पर नितिन नवीन ने ‘आप’ सरकार को घेरा, कहा- शासन की गंभीर विफलता

**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि पंजाब में नशा-विरोधी कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या किया जाना राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के तहत कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति को उजागर करता है। उन्होंने इसे शासन की गंभीर विफलता बताया। नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की मंगलवार सुबह पंजाब के मानसा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना ने नशे के खिलाफ अभियान चलाने वालों और इलाके में मादक पदार्थों की कथित अवैध बिक्री का विरोध करने वालों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘मानसा में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या बेहद चौंकाने वाली है। यह पंजाब में आप सरकार के दौरान कानून-व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति को उजागर करती है। ‘ उन्होंने कहा, ‘आम आदमी पार्टी नशामुक्त पंजाब का वादा करके सत्ता में आई थी। आज हालात यह हैं कि नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोग ही सुरक्षित नहीं हैं।

### भाजपा महिला कार्यकर्ताओं से हाथापाई पर मड़की बांसुरी स्वराज, कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस पर महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को लेकर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रही भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं के साथ कथित हाथापाई और अभद्र व्यवहार को लेकर उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाए। बांसुरी स्वराज ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी संजीव सिंह ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ धक्का-मुक्की और अभद्रता की, लेकिन पार्टी नेतृत्व इस मामले पर चुप्पी साधे हुए है। बांसुरी स्वराज ने कहा कि कांग्रेस की ओर से ‘स्मेश ड पैट्रियर्की’ जैसे नारे दिए जाते हैं, लेकिन पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का व्यवहार इन नारों के विपरीत दिखाई देता है। कभी महिला पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार होता है, तो कभी महिला पत्रकारों के साथ कथित तौर पर अभद्रता की जाती है। कांग्रेस मुख्यालय के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं के साथ हुई घटना भी इसी तरह के रवैये की दर्शाती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से सवाल करते हुए उन्होंने कहा कि महिला कार्यकर्ताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार के मामले में पार्टी की ओर से

## गुजरात में कांग्रेस की 41 साल से लगातार हार, राहुल गांधी को आत्ममंथन की जरूरत: गृह मंत्री अमित शाह

**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गुजरात में कांग्रेस पिछले 41 वर्षों से कोई चुनाव नहीं जीत सकी है और पार्टी को इस पर गंभीरता से आत्ममंथन करने की जरूरत है। गृह मंत्री शाह ने भाजपा की चुनावी सफलताओं को मतदाताओं के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति समर्थन का प्रमाण बताया। गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में तीन नगर निकायों में हुए चुनावों में भाजपा ने कुल 104 सीटों में से 90 पर जीत हासिल की है। उन्होंने बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांधीनगर नगर निगम में भाजपा ने 44 में से 38

सीटों पर कब्जा किया। शाह ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी (आप) ने सभी 32 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन प्रत्येक सीट पर उसकी जमानत जब्त हो गई। उन्होंने कहा कि गांधीनगर नगर निगम में



पिछले चुनाव की तुलना में भाजपा के मत प्रतिशत में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात के मतदाताओं ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपना विश्वास जताया है। उन्होंने राहुल गांधी को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने गुजरात में पिछला चुनाव 1985 में जीता

### राहुल गांधी पर महिला पत्रकार से बदसलूकी के आरोपों पर रेणुका चौधरी बोलीं, भाजपा के रिक्रप्ट राइटर दूसरी नौकरी ढूँढे

**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर महिला पत्रकार से बदसलूकी के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

रेणुका ने सवाल किया कि आखिर वो पत्रकार है कौन और क्या वो सच में प्रेमेंट भी है? वहीं, राहुल गांधी को पीएम उम्मीदवार घोषित करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि एक कार्यकर्ता के तौर पर मैं

## केंद्र सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट में दो अतिरिक्त जजों की नियुक्ति को मंजूरी दी

**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद केंद्र सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट में दो न्यायिक अधिकारियों को अतिरिक्त न्यायाधीश के तौर पर नियुक्त करने की मंजूरी दे दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में इस फैसले की जानकारी देते हुए कानून और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवला ने कहा कि भारत के संविधान से मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए और भारत के मुख्य न्यायाधीश से सलाह-मशविरा करके राष्ट्रपति ने धर्मलिंगम लिंगेश्वरन और बालाथंडायुथम कार्तिकेयन को मद्रास हाई कोर्ट का अतिरिक्त जज नियुक्त किया है। सीजेआई

## महापौर ने एंटी-स्मॉग गन से लैस 12 मल्टी-पर्पज वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने सिविक सेंटर स्थित दिल्ली नगर निगम मुख्यालय से एंटी-स्मॉग गन, वाटर स्प्रंकलर और जेटिंग व्यवस्था से लैस 12 नवनिर्मित ट्रक-माउंटेड मल्टी-पर्पज वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रत्येक वाहन में 7,000 लीटर क्षमता का पानी का टैंक है। ये वाहन धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने, शहर के पर्यावरण में सुधार लाने और विभिन्न नागरिक सुविधाओं से संबंधित कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि दिल्ली नगर निगम आधुनिक मशीनरी के उपयोग

के माध्यम से दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह पहल राजधानी में



धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने, स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीक अपनाने की निगम की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। महापौर ने कहा कि ये 12 मल्टी-पर्पज वाहन वायु में मौजूद

19 मई को जारी एक बयान में शीर्ष अदालत के कॉलेजियम ने कहा कि उसने लिंगेश्वरन और



अधिकारियों को मद्रास हाईकोर्ट का जज नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

बालाथंडायुथम समेत छह न्यायिक अधिकारियों को मद्रास हाईकोर्ट का जज नियुक्त करने के 4

धूल के कणों को नियंत्रित करने, सड़कों को स्वच्छ रखने और नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने के

प्रयासों को और मजबूती प्रदान करेंगे। इन वाहनों की बहुउपयोगी व्यवस्था से सड़कों की धुलाई, नालियों की जेटिंग और सार्वजनिक शौचालयों की सफाई जैसे कार्य भी अधिक प्रभावी ढंग से किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित

के पाकों में वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाने की संभावनाओं का आकलन किया जाए, ताकि वर्षा जल का संरक्षण किया जा सके और भूजल स्तर में सुधार की दिशा में योगदान दिया जा सके। इसके अतिरिक्त, बैठक में पेड़ों की छंटाई, हरित कचरे के उचित प्रबंधन तथा पाकों के नियमित रखरखाव जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पाकों की साफ-सफाई एवं रखरखाव



पर विशेष ध्यान दिया जाए और हरित कचरे का उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। स्थायी समिति अध्यक्ष ने पाकों में नागरिकों की सुविधा के लिए सैर के लिए बेहतर ट्रैक विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पाकों को बेहतर एवं सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि नागरिकों को स्वच्छ, हरित और बेहतर सार्वजनिक स्थान उपलब्ध हो सकें।

## विरोध-प्रदर्शन से प्रभावित क्षेत्रों में एनडीएमसी ने चलाया स्वच्छता अभियान प्रतिदिन 300 मीट्रिक टन कचरा एकत्र

**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान में एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल एवं परिषद सदस्य अनिल वाल्मीकि ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारियों के साथ भाग लिया। अभियान के दौरान मंडी हाउस में नेपाल एवं ईरान के दूतावासों के बाहर विरोध-प्रदर्शन से प्रभावित आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की गई। विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रतिदिन 300 मीट्रिक टन से अधिक कचरा एकत्र किया गया। इस मौके पर कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि एनडीएमसी क्षेत्र में संसद भवन, प्रमुख सरकारी कार्यालय, विभिन्न देशों के दूतावास, वीवीआईपी आवास, बड़े होटल और स्कूल स्थित हैं। यहां प्रतिदिन वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी कर्मचारियों, राजनयिकों, विद्यार्थियों, पर्यटकों तथा देश-विदेश से आने वाले लोगों का आवागमन होता है। इसलिए क्षेत्र को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखना एनडीएमसी की प्रमुख जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विरोध-प्रदर्शन के बाद प्रभावित क्षेत्रों में गंदगी और कचरे को लेकर

नवंबर, 2025 के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

कॉलेजियम, जिसमें सीजेआई और सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ जज शामिल होते हैं, उच्च न्यायपालिका में नियुक्तियों और तबादलों के लिए सिफारिशें करता है। उच्च न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच एक निरंतर, एकीकृत और सहयोगात्मक प्रक्रिया है। इसके लिए राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर विभिन्न संवैधानिक अधिकारियों से सलाह-मशविरा और मंजूरी की जरूरत होती है।

सिर्फ उन्हीं लोगों को हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया जाता है जिनके नामों की सिफारिश एससी कॉलेजियम ने की होती है।

### मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 150 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी



**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 150 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर डीटीसी के बेड़े में शामिल किया। साथ ही पांच प्रमुख स्थानों पर सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार एक ओर लगातार नई इलेक्ट्रिक बसें जोड़ रही है, तो दूसरी ओर ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का भी तेजी से विस्तार कर रही है। साथ ही मुख्यमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ आनंद विहार एवं आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण कम करने के लिए किए जा रहे विभिन्न कार्यों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, कैबिनेट सहयोगी मनजिंदर सिंह सिरसा, डॉ. पंकज कुमार सिंह, विधायक ओम प्रकाश शर्मा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

## महापौर ने एंटी-स्मॉग गन से लैस 12 मल्टी-पर्पज वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

उपलब्ध हैं। इनकी बहुउपयोगी प्रकृति से निगम विभिन्न आवश्यक नागरिक रखरखाव कार्यों के अधिक कुशलता से संपन्न कर सकेगा। इन वाहनों का संचालन व्यापक परिचालन एवं रखरखाव (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस-ओएंडएम) मॉडल के तहत किया जाएगा, ताकि इनका सुचारु संचालन, नियमित रखरखाव और अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। मशीनों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए तृतीय-पक्ष निरीक्षण तथा आईआईटी दिल्ली के माध्यम से गुणवत्ता जांच की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक वाहन की

लागत 35.06 लाख रुपये है तथा इनका अनुमानित उपयोगी जीवनकाल 15 वर्ष है। ये वाहन प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छता संबंधी पहलों को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करेंगे। इस दौरान उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, सदन के नेता जय भगवान यादव, स्थायी समिति के उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, डेम्प समिति के अध्यक्ष संदीप कपूर, शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा, अपर आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा तथा निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

## ‘जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल सूची से हटाना जनहित में निर्णय’

### कांग्रेस और आआपा का विरोध राजनीतिक: हर्ष मल्होत्रा

**अनप्लग इंडिया**  
**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने के दिल्ली पुलिस के फैसले को जनहित में लिया गया निर्णय बताया है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों को होने वाली असुविधा और बदलती राजधानी की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और सी.जे.पी. के विरोध को राजनीतिक रूप से प्रेरित और हास्यास्पद करार दिया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का इतिहास प्रदर्शनों के प्रति असहिष्णुता का रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकारों

के दौरान दिल्ली के बोट क्लब पर गौहत्या विरोधी आंदोलन, किसान आंदोलन और राम मंदिर आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठियों और गोलियों चलाई गई थीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1993 तक बोट क्लब प्रदर्शन का प्रमुख स्थल हुआ करता था, लेकिन बाद में कांग्रेस ने वहां प्रदर्शनों पर रोक लगा दी थी। उन्होंने आम आदमी पार्टी की



आपत्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अगस्त 2016 में अपने आवास के पास प्रदर्शन रोकने के लिए एसडीएम से आदेश जारी कराया था। मल्होत्रा ने इसे प्रदर्शनों के प्रति असहिष्णुता का उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसे दलों द्वारा प्रदर्शन स्थल में बदलाव का विरोध करना हास्यास्पद है।



नागरिकों, व्यापारियों, दूतावासों में आने-जाने वाले लोगों और स्कूलों के विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर से शुरू हुए विरोध-प्रदर्शन के

कारण मंडी हाउस, जंतर-मंतर, जनपथ और कर्नाट प्लेस के आसपास सामान्य दिनों का तुलना में अधिक कचरा जमा हुआ। एनडीएमसी के कचरा उठाने वाले वाहनों की वजन रिपोर्ट के अनुसार, 13 अक्टूबर तक प्रतिदिन एकत्र होने वाले कचरे की मात्रा सामान्य दिनों से अधिक दर्ज की गई। चहल ने बताया कि इस दौरान सरकारी एवं सार्वजनिक संपत्तियों और नागरिक सुविधाओं को नुकसान पहुंचा। कई स्थानों पर हरित पट्टियों, पेड़-पौधों और फुटपाथों को क्षति पहुंची, जबकि कुछ शौचालयों में तोड़फोड़ भी पाई गई। दीवारों पर पोस्टर चिपकाने और नारे लिखने से भी सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता और स्वच्छता प्रभावित हुई। इसके अलावा, कई स्थानों पर बड़ी मात्रा में खाने के पैकेट, रोटियां और अन्य खाद्य सामग्री पड़ी मिली।

उन्होंने बताया कि एनडीएमसी ने विरोध-प्रदर्शन स्थलों और आसपास के क्षेत्रों में सफाई कर्मचारियों की तैनाती में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि की है। चहल ने नागरिकों से अपील की कि वे सरकारी एवं सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान न पहुंचाएं, कचरा केवल निर्धारित स्थानों पर डालें और अपने आसपास सफाई बनाए रखने में सहयोग करें।

हमेशा महिलाओं के अधिकारों के लिए खड़े रहे हैं। अब इस मामले में भी एक महिला को आगे लाया जा रहा है। भाजपा का यही तरीका है। जब कुछ और काम न करे तो एक महिला को आगे कर दो। उत्तर

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इंडिया ब्लॉक के मार्च पर दिए गए बयान पर जवाब देते हुए रेणुका चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी, आप योगी हैं। अपने विचारों और सोच पर ध्यान

दें और अपने राज्य का ख्याल रखें। आपको इस मामले पर आकर टिप्पणी करने की कोई जरूरत नहीं है। आम जनता और आप दोनों जानते हैं कि हम सड़कों पर क्यों उतरे हैं।

### संक्षिप्त समाचार

## सीआईएससीई राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में जिले के अनमोल ने जीता स्वर्ण पदक

**अनप्लग इंडिया गाजियाबाद।** सीआईएससीई राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता 2026 में जिले के छत्र अनमोल ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया है। इसी के साथ उनका चयन अब राष्ट्रीय एसजीएफआई प्रतियोगिता के लिए भी हो गया है। अनमोल मरियम नगर के सेंट जोसेफ स्कूल के छात्र हैं। प्रतियोगिता का आयोजन तमिलनाडु के कोयंबटूर में छह से 10 अक्टूबर के बीच हुआ। इसमें सेंट जोसेफ स्कूल के तीन छात्रों ने विद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। अंडर-14 बालक वर्ग के 20 किग्रा. भार वर्ग में अनमोल वर्मा ने स्वर्ण पदक जीता। इस उपलब्धि के साथ ही उनका चयन एसजीएफआई राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता के लिए भी हो गया। इसके अलावा अंडर-14 की 24 किग्रा वर्ग में अमन वर्मा ने छठा स्थान और अंडर-17 बालिका वर्ग में लावण्या त्यागी ने पांचवां स्थान हासिल किया। 12 अक्टूबर को विद्यालय लौटने पर तीनों खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य फादर मोसेस बीजे ने मेडल और प्रमाणपत्र देकर छात्रों को सम्मानित किया और अनमोल वर्मा को छत्रवृत्ति देने की घोषणा की। मैनेजर फादर थॉमस और उप प्रधानाचार्य फादर जोमोन ने खिलाड़ियों, अभिभावकों और कोच को बधाई दी। वरिष्ठ फिजिकल एजुकेशन शिक्षक एवं कराटे कोच अमरदीप ने बताया कि एकेडमी के इतिहास में पहली बार तीन खिलाड़ियों ने कराटे में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन किया है और एक एसजीएफआई के लिए चयन हुआ है। टीम के साथ गीता शर्मा एस्कोर्ट टीचर और अंडर-17 गर्ल्स को टीम मैनेजर रहें।

## कार में टक्कर मारने से डायलिसिस के लिए जा रहा मरीज घायल

**अनप्लग इंडिया नोएडा।** सेक्टर-135 में पांच अगस्त को हुए सड़क हादसे में बुजुर्ग शशांक माथुर घायल हो गए। उनकी कार में दूसरी कार ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी गाड़ी दाईं ओर ड्रिवाइवर का जा टकराई। घायल के भाई सुवेक माथुर ने आरोपी प्रवेप शर्मा के खिलाफ एएसप्रवेथे थाने में शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार शशांक माथुर पांच अगस्त की सुबह करीब 6 बजे अपनी फॉक्सवैन पोलो कार से डायलिसिस कराने जेपी मैक्स अस्पताल जा रहे थे। वह पंचशील अंडरपास से आगे दिल्ली की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर पहुंचे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही काली हुंडई अल्कावार ने उनकी कार में टक्कर मार दी। हादसे में शशांक के कंधे और पसलियों में फ्रैक्चर समेत अन्य चोटें आईं। उन्हें उपचार के लिए जेपी मैक्स अस्पताल ले जाया गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक उनके भाई को दो सप्ताह अस्पताल में रहना पड़ा और डॉक्टरों ने एक महीने आराम करने की सलाह दी। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

# कंपनी से कीमती सामान चोरी

**अनप्लग इंडिया ग्रेटर नोएडा।** सूरजपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक कंपनी से सामान चोरी कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक एचआर मैनेजर हर्देद कुमार की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकाबले में शानदार शतक बनाने में नौ अक्टूबर की रात चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर मशीन, स्कैनर, प्रिंटर, मदरबोर्ड, सेटअप बॉक्स आदि सामान चोरी कर ले गए। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पुलिस सीसीटीवी की फुटेज देख रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

## आरपी सिंह क्रिकेट एकेडमी ने बीआरएस एकेडमी को छह विकेट से शिकस्त दी

**अनप्लग इंडिया गाजियाबाद :** जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को आरपी सिंह क्रिकेट एकेडमी ने बीआरएस क्रिकेट एकेडमी को छह विकेट से शिकस्त दी। मुकाबले में शानदार शतक बनाने वाले शौर्य प्रताप सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। नेहरू नगर स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में बुधवार को क्रिकेट मुकाबले में बीआरएस क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाए। उसकी तरफ से मनन ने सबसे ज्यादा 60 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की तरफ से सतीश सिंह और आर्यन राणा को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरपी सिंह क्रिकेट एकेडमी ने 21.1 ओवर में चार विकेट पर 203 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। शौर्य प्रताप सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 111 रन बनाए। मोहित ने 50 रन का योगदान दिया।

## मुख्यमंत्री के निर्देशों पर सड़क किनारे बिजली के निष्क्रिय खंभे हटाने की कार्रवाई तेज

**अनप्लग इंडिया गुरुग्राम।** दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के अधिकार क्षेत्र से निष्क्रिय खंभे हटाने का काम किया जा रहा है। निगम की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार गुरुग्राम सर्कल-2, फरीदाबाद, पलवल और सिरसा सर्कलों में यह काम पूरा हो चुका है। बी सर्कलों में लंबित कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का दावा डीएचबीवीएन ने किया है।

प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह के निर्देशानुसार निष्क्रिय खंभे हटाने का काम किया जा रहा है। डीएचबीवीएन की सर्कलवार रिपोर्ट के अनुसार निष्क्रिय बिजली खंभे हटाने के मामले में रेवाड़ी सर्कल में सबसे अधिक कार्य लंबित है। यहां 11 केवी लाइन के 795 और 33 केवी लाइन के 336 खंभे हटाए जाने बाकी हैं। भिवानी सर्कल में 11 केवी लाइन के 24 और 33 केवी लाइन के 118 खंभे हटाए जाने शेष हैं।

उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) की रिपोर्ट के अनुसार कुल 3,651 चिह्नित निष्क्रिय खंभों में से 3,333 हटाए जा चुके हैं। इस प्रकार निगम ने 91 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया है। अब केवल 318 खंभे हटाए जाने शेष हैं। सर्कलवार विवरण में झज्जर में 33, पानीपत में 22, सोनीपत में 25 और कैथल में 57 खंभे लंबित दर्शाए गए हैं। रोहतक सर्कल में 33 केवी लाइन के 112 खंभे खड़े हैं, जिन्हें भविष्य में औद्योगिक क्षेत्र में उपयोग किए जाने की संभावना है। वहीं, करनाल में 33 केवी लाइन के आठ खंभों का उपयोग एलटी लाइन के कार्य में किए जाने की जानकारी दी गई है।

जनसंपर्क अधिकारी संजय चुप ने बताया कि प्रबंध निदेशक के निर्देशानुसार निष्क्रिय बिजली खंभों को हटाने के कार्य की नियमित समीक्षा करते हुए इसे निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है। दोनों निगमों की सितंबर 2026 तक की प्रति रिपोर्ट के अनुसार, कुल 6,443 निष्क्रिय बिजली खंभों की पहचान की गई थी। इनमें से 4,222 खंभे हटाए जा चुके हैं, जबकि 2,221 खंभे हटाए जाने शेष हैं। अन्य सर्कलों पारनाल में 11 केवी लाइन के 39 तथा 33 केवी लाइन के 208 खंभे लंबित हैं। फतेहाबाद में 11 केवी लाइन के 194 खड़े और नौ पड़े खंभे तथा 33 केवी लाइन के 107 खड़े और छह पड़े खंभे हटाए जाने बाकी हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में इस वर्ष मार्च में हुई बैठक के कार्यों की सूची में कहा गया कि सड़कों के किनारे बड़ी संख्या में ऐसे बिजली खंभे खड़े हैं, जो अब किसी परिचालन उद्देश्य की पूर्ति नहीं कर रहे हैं।

### नोएडा/गाजियाबाद

# न्यू नोएडा के विकास को रफ्तार देने की तैयारी, 3 नए सर्किल गठित; 80 गांवों की जमीन पर बसेगा शहर

**अनप्लग इंडिया नोएडा।** न्यू नोएडा यानी दादरी-नोएडा-गाजियाबाद निवेश क्षेत्र के विकास की प्रक्रिया को गति देने के लिए प्राधिकरण ने तीन नए सर्किल गठित किए हैं। इनका उद्देश्य प्रस्तावित शहर के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना, अवैध निर्माण और अतिक्रमण पर नियंत्रण रखना तथा विकास कार्यों की निगरानी करना है। योजना के तहत करीब 80 गांवों की जमीन लेकर नए शहर को विकसित किया जाना है। इसकी अनुमानित आबादी छह लाख होगी।

प्राधिकरण की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, पहले चरण में सर्किल-11, सर्किल-12 और सर्किल-14 बनाए गए हैं। सर्किल-11 की जिम्मेदारी महाप्रबंधक एसपी सिंह को सौंपी गई है, जबकि सर्किल-12 और 14 का कामकाज महाप्रबंधक एके अरोड़ा देखेंगे। आगे इन सर्किलों में वरिष्ठ प्रबंधकों और प्रबंधकों की तैनाती की जाएगी। इन अधिकारियों को अवैध निर्माण रोकने के साथ-साथ विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी मिलेगी।

चार चरणों में आकार लेगा न्यू नोएडा न्यू नोएडा का मास्टर प्लान कुल 209.11 वर्ग किलोमीटर यानी

## शारदाकेयर हेल्थसिटी ने ग्रेटर नोएडा में लगाया निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग कैंप, 130 से अधिक लोगों ने कराई जांच

**अनप्लग इंडिया ग्रेटर नोएडा।** शारदाकेयर हेल्थसिटी ने ग्रेटर नोएडा स्थित अपने अस्पताल परिसर में निशुल्क व्यापक कैंसर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया। इस कैंप में 130 से अधिक लोगों ने हिस्सा लेकर अपनी जांच कराई। इस पहल का उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, लोगों को समय पर स्क्रीनिंग कराने के लिए प्रोत्साहित करना और कैंसर विशेषज्ञों से परामर्श प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराना था। कैंप में मेडिकल, सर्जिकल और रेडिएशन ऑन्कोलॉजिक के विशेषज्ञों ने लोगों को निशुल्क परामर्श दिया। कैंप के दौरान प्रोस्टेट कैंसर की पहचान के लिए PSA टेस्ट, सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए पैप स्मीयर और ब्रेस्ट कैंसर की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा FDG-PET स्कैन और कैंसर मार्कर टेस्ट सहित कई जांचों पर विशेष छूट भी दी गई। अस्पताल की इस पहल के माध्यम से लोगों को कैंसर के शुरुआती संकेतों को पहचानने, उचित जांच कराने और समय रहते विशेषज्ञों से सलाह लेने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

**कैंसर के इलाज में मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच जरूरी**—शारदाकेयर हेल्थसिटी के मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अनिंद मुखर्जी ने कहा कि कैंसर के उपचार के लिए मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच की आवश्यकता होती है। इसमें कैंसर के प्रकार, उसकी स्टेज और मरीज की समग्र स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर उपचार की योजना तैयार की जाती है। मेडिकल ऑन्कोलॉजी इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी जैसे उपचार विकल्पों पर विचार किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस



20,911.29 हेक्टेयर क्षेत्र में तैयार किया गया है। शहर को व्यवस्थित तरीके से विकसित करने के लिए चार चरण निर्धारित किए गए हैं।

पहला चरण (2023-2027): 3,165 हेक्टेयर क्षेत्र का विकास प्रस्तावित है। इसकी निर्धारित समयसीमा नजदीक आने के चलते अब काम शुरू करने की तैयारी की

जा रही है।

दूसरा चरण (2027-2032): 3,798 हेक्टेयर क्षेत्र में विकास कार्य किए जाएंगे।

तीसरा चरण (2032-2037): 5,908 हेक्टेयर भूमि को विकसित करने की योजना है।

चौथा चरण (2037-2041): अंतिम चरण में 8,230 हेक्टेयर क्षेत्र में विकास

किया जाएगा।

किसानों की सहमति से खरीदी जाएगी जमीन

न्यू नोएडा के लिए भूमि जुटाने के वास्ते प्राधिकरण ने मुआवजे की नीति निर्धारित की है। योजना के मुताबिक, किसानों से आपसी सहमति के आधार पर जमीन लेने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

# स्कूल में मिशन शक्ति के तहत आयोजित हुआ महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम



**अनप्लग इंडिया/रमेश ठाकुर**

**गौतमबुद्धनगर:** सूबे के प्राथमिक स्कूलों में शिक्षणाकार्यों के अलावा शासकीय आदेशानुसार महिला शिक्षा और उनके स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाना आरंभ हुआ है। इसके लिए मिशन शक्ति के रूप में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 6वें अभियान के तहत बुधवार को झुझ के उच्च प्राथमिक विद्यालय में पहली कक्षा से लेकर आठवीं तक पढ़ने वाली बालिकाओं के वौद्धिक विकास, सशक्तीकरण, स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता पर ध्यानार्कर्षण करवाया गया। जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राएं, शिक्षिकायें, माताओं एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने भाग लिया। इस दौरान नुकड़-नाटक और विभिन्न नाट्यों की प्रस्तुति भी पेश हुई जिसमें छात्रा आरती ने जिलाधिकारी,राधा ने मुख्य

चिकित्सा अधिकारी, मानसी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा परी ने प्रधानाध्यापिका का रोल निभाया। वहीं,शिक्षिका कल्पना गोस्वामी एवं ललिता चौहान ने मासिक धर्म के दौरान किस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए, के विषय में बालिकाओं को जागरूक किया।

कार्यक्रम को अंरुस करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक सतीश पौलवान ने कहा कि मिशन शक्ति की मूल सफलता तभी है, जब प्रत्येक बालिका को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सम्मान का समान अवसर दिया जाएगा। उन्होंने कहा बालिका शिक्षा पर किया गया निवेश उसके भविष्य की मजबूत नींव रखता है।कार्यक्रम में कल्पना गोस्वामी, ललिता चौहान, सुनीता चौरसिया, मीनाक्षी चाहर एवं ज्योति चौहान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सीमा प्रमुख रूप से मौजूद रही।

## मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना आर्थिक रूप से कमजोर सभी वर्गों के लिए एक सशक्त प्रयास : डीसी

**अनप्लग इंडिया गुरुग्राम।** हरियाणा सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों की बेटियों और दिव्यांजन की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है। यह जानकारी डीसी उत्तम सिंह ने दी। डीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज में समानता और सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान करना और बेटियों की शादी में आर्थिक चिंताओं को कम करना है। उन्होंने सभी पात्र परिवारों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाएं और अपनी बेटियों के भविष्य को सुरक्षित और खुशहाल बनाएं। डीसी ने कहा कि इस योजना के तहत लाभार्थियों को सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिसमें अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति / टपरीवास जाति के लाभार्थियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) की बेटियों के विवाह पर 71,000/- अनुदान राशि प्रदान की जाती है और पिछड़े वर्गों और सामान्य वर्ग के व्यक्तियों की बेटियों के विवाह पर 41,000/- अनुदान राशि दी जाती है। उन्होंने कहा सभी वर्गों की विधवा, अनाथ, तलाक़शुदा, बेसहारा महिलाओं और उनके बच्चों की बेटियों की शादी के लिए 51,000/- अनुदान राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ी महिलाओं (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) की शादी के लिए भी 41,000/- की सहायता राशि दी जाती है। इसके साथ-साथ इस योजना के तहत यदि विवाह में दोनों वर-वधू दिव्यांग हैं, तो उन्हें 51,000/- अनुदान राशि दी जाएगी। अगर केवल एक वर या वधू दिव्यांग हैं, तो 41,000/- की अनुदान राशि दी जाएगी। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक को अपनी बेटी के विवाह के बाद 6 माह के भीतर विवाह पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाया गया है। आवेदक shadi.edisha.gov.in पोर्टल पर जाकर विवाह पंजीकरण और मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

# न्यू नोएडा के लिए बनाए गए 3 सर्किल: 209 वर्ग किमी में बसेगा नया शहर; 80 गांवों की जमीन का होगा अधिग्रहण

**अनप्लग इंडिया नोएडा।** नोएडा में जमीन अधिग्रहण, अतिक्रमण को रोकने के लिए तीन नए सर्किल बनाए गए हैं। न्यू नोएडा को 80 गांव की जमीन अधिग्रहण कर बसाया जाएगा। 6 लाख की आबादी होगी। यहां पहले फेज में तीन सर्किल 11, 12 और 14 बनाए गए हैं। ये तीनों सर्किल न्यू नोएडा के लिए हों हैं। इसमें सर्किल-11 की जिम्मेदारी प्राधिकरण के जीएम एसपी सिंह को दी गई। वहीं सर्किल-12 और 14 को जिम्मेदारी जीएम एके अरोड़ा को दी गई है। बतौर इसका कार्यालय आदेश जारी कर दिया गया है। अब इन सर्किल में सीनियर मैनेजर, मैनेजर की नियुक्ति की जाएगी। जिनकी जिम्मेदारी अवैध निर्माण को रोकना और विकास कार्य को बढ़ावा देना होगा। 4 चरणों में विकसित होगा न्यू नोएडा न्यू नोएडा का मास्टर प्लान 209.11 वर्ग किलोमीटर (20,911.29 हेक्टेयर) क्षेत्र में



तैयार किया गया है। इसे चार चरणों में विकसित किया जाएगा।

पहला चरण (2023-2027) : 3,165 हेक्टेयर क्षेत्र विकसित होगा।

दूसरा चरण (2027-2032) : 3,798 हेक्टेयर क्षेत्र विकसित किया जाएगा।

तीसरा चरण (2032-2037) : 5,908 हेक्टेयर भूमि को विकसित करने की योजना है।

चौथा चरण (2037-2041) : अंतिम चरण में 8,230 हेक्टेयर क्षेत्र में विकास

की तैयारी की जा रही है।

दूसरा चरण (2027-2032) : 3,798 हेक्टेयर क्षेत्र विकसित किया जाएगा।

तीसरा चरण (2032-2037) : 5,908 हेक्टेयर भूमि पर विकास कार्य हों।

चौथा चरण (2037-2041) : अंतिम चरण में 8,230 हेक्टेयर क्षेत्र में विकास

8,230 हेक्टेयर क्षेत्र को विकसित करने की योजना है।

किसानों से सहमति के आधार पर ली जाएगी जमीन

प्राधिकरण ने भूमि अधिग्रहण के लिए यमुना विकास प्राधिकरण की तर्ज पर

अपनी बात

संपादकीय

### चुनावी लोकतंत्र बहाल करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय को निर्णायक कदम उठाने होंगे

सरकार का खुद को संवैधानिक रूप से स्वतंत्र संस्था के साथ इस तरह जोड़कर देखना बेहद चिंताजनक है। चुनाव आयोग न तो कार्यपालिका का कोई हिस्सा है और न ही सत्ताधारी पार्टी के प्रति जवाबदेह कोई प्रशासनिक विभाग। इसकी स्वतंत्रता एक जरूरी सुरक्षा कवच है जो यह सुनिश्चित करती है कि राजनीतिक सत्ता का इस्तेमाल करने वाले लोग उन हालात में हेरफेर न कर सकें जिनके तहत वह सत्ता दोबारा हासिल की जाती है। भारत का चुनावी लोकतंत्र एक ऐसे नाजुक मोड़ पर है जहां न्यायिक दखल सिर्फ प्रक्रिया की जांच और चिंता जताने तक सीमित नहीं रह सकता। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर बढ़ता विवाद, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) के तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाना, और जन-विरोध प्रदर्शनों पर सरकार का लगातार सख्त रवैया- इन सबने एक संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है जिसके लिए असाधारण कदम उठाने की जरूरत है। सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायिक निगरानी में इस विवादित प्रक्रिया को आगे बढ़ने की इजाजत दी थी, इसलिए अब यह सुनिश्चित करने की उसकी ही खास जिम्मेदारी है कि कहीं उसकी मंजूरी से अनजाने में ही वोट देने के मौलिक अधिकार को कमजोर न किया गया हो। यह टकराव चुनावी प्रशासन के पारंपरिक दायरे से काफी आगे निकल चुका है। विपक्षी दल, नागरिक समाज संगठन और युवा आंदोलन न सिर्फ चुनाव आयोग के अलग-अलग फैसलों पर सवाल उठा रहे हैं, बल्कि खुद इस संस्था की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। 10 अक्टूबर के प्रदर्शनों से पहले नई दिल्ली में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेना, सार्वजनिक परिवहन पर रोक लगाना और हजारों सुरक्षाकर्मियों की तैनाती ने इस धारणा को और मजबूत किया है कि नरेंद्र मोदी सरकार चुनाव आयोग की आलोचना को अपनी सत्ता के लिए चुनौती मानी है। सरकार का खुद को संवैधानिक रूप से स्वतंत्र संस्था के साथ इस तरह जोड़कर देखना बेहद चिंताजनक है। चुनाव आयोग न तो कार्यपालिका का कोई हिस्सा है और न ही सत्ताधारी पार्टी के प्रति जवाबदेह कोई प्रशासनिक विभाग। इसकी स्वतंत्रता एक जरूरी सुरक्षा कवच है जो यह सुनिश्चित करती है कि राजनीतिक सत्ता का इस्तेमाल करने वाले लोग उन हालात में हेरफेर न कर सकें जिनके तहत वह सत्ता दोबारा हासिल की जाती है। जब सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ शिकायतों को दूर करने के बजाय उन्हें सार्वजनिक जवाबदेही से बचाने के लिए ज़्यादा तत्पर दिखती है, तो संस्थागत अंतर खतरनाक रूप से धुंधला हो जाता है। ज्ञानेश कुमार को हटाने का संसदीय रास्ता बेहद मुश्किल साबित हुआ है। अनुच्छेद 324(5) मुख्य चुनाव आयुक्त को सर्वोच्च न्यायालय के जज के बराबर सुरक्षा देता है। उन्हें हटाने के लिए एक कठिन संसदीय प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है जिसमें विशेष बहुमत की जरूरत होती है, जिससे विपक्ष के अलावा बड़े पैमाने पर समर्थन के बिना सफलता लगभग असंभव हो जाती है। वह संवैधानिक सुरक्षा इसलिए बनाई गई थी ताकि चुनावी स्वतंत्रता में कार्यपालिका का मनमाना दखल रोका जा सके। इसका मकसद कभी भी असंवैधानिक कामकाज या प्रशासनिक गड़बड़ी को न्यायिक जांच से छूट देना नहीं था। यह फ़र्क़ बहुत जरूरी है क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय सिर्फ अपनी खास शक्तियों का इस्तेमाल करके मुख्य चुनाव आयुक्त को नहीं हटा सकता।

## लोकतंत्र की लड़ाई या राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन

कांतिलाल मांडोट  
दिल्ली में 12 अक्टूबर 2026 को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों का प्रदर्शन राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया। कांग्रेस सहित विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयोग के कामकाज पर सवाल उठाते हुए बाराखंबा से सर्वोच्च न्यायालय तक मार्च निकाला। इसके बाद एसआईआर में कथित अनियमितताओं को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करने की पहल की गई। इस पूरे घटनाक्रम ने चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका और राजनीतिक विरोध की मर्यादा को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है।

इस मार्च में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, संजय राउत, सौगत राय और विभिन्न विपक्षी दलों के अन्य नेता शामिल हुए। समाचार के अनुसार दस विपक्षी दलों के ग्यारह नेताओं ने याचिका में पक्षकार बनने की पहल की। निर्वाचन आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी मामले में पक्ष बनाया गया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी खुली गाड़ी में नजर आए, जबकि तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव सहित दूसरे नेता भी प्रदर्शन में शामिल हुए। राहुल गांधी सबसे आगे और उनके आगे प्रियंका गांधी के चलने की बात भी सामने आई। कांग्रेस के मुख्यमंत्री तथा अन्य विपक्षी नेताओं की भागीदारी ने इस मार्च को व्यापक राजनीतिक प्रदर्शन का रूप दिया। मार्च से पहले राहुल गांधी ने लगभग चालीस मिनट तक पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने विपक्ष के इस जमावड़े की तुलना भगवान शिव की बारात से करते हुए कहा कि इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। विपक्ष का कहना है कि मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियां लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं और इन्हें दूर करना जरूरी है। दूसरी ओर, ऐसे आरोपों की वास्तविकता का निर्धारण राजनीतिक नारों से नहीं, बल्कि दस्तावेजों, प्रमाणों और संबंधित संस्थाओं के उवरो के आधार पर होना चाहिए। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की कसौटी है। रविशर्मा को विश्वेशी सांसदों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को पत्र लिखकर ज़ापन सौंपने के लिए समय मांगा था। उसके अनुसार उन्हें मिलने का समय नहीं मिला और याचिका दाखिल करने का रास्ता अपनाने को कहा गया। इसके बाद विपक्ष ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की दिशा में कदम बढ़ाया। राहुल गांधी की कानूनी टीम ने याचिका दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग भी की। यहां यह समझना जरूरी है कि किसी याचिका का दाखिल होना और उसमें लगाए गए आरोपों का न्यायिक रूप से सही साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। न्यायालय में मामला पहुंचने के बाद तथ्यों और कानून के आधार पर ही आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। सर्वोच्च न्यायालय के वकीलों और कानूनी प्रक्रिया से जुड़े लोगों की भागीदारी ने इस विवाद को संवैधानिक बहस का रूप दिया है। न्यायपालिका की भूमिका राजनीतिक पक्षों के नारों के आधार पर फैसला सुनाना नहीं, बल्कि कानून, प्रमाण और संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार विवाद का समाधान करना है।

# अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने बढ़ाई भारत की विकास दर



महेन्द्र तिवारी  
साहित्यकार एवं लेखक  
पूर्व वायुसैनिक

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर के अनुमान को 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत करना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अत्यंत उत्साहवर्धक और सकारात्मक संकेत है। वैश्विक पटल पर जब कई बड़ी और विकसित अर्थव्यवस्थाएं मंदी, महंगाई और अस्थिरता के दौर से गुजर रही हैं, तब भारत की विकास दर में इस तरह का सकारात्मक संशोधन देश की आर्थिक नीतियों और मजबूत आधारभूत संरचना की सफलता को प्रमाणित करता है। यह केवल एक संख्यात्मक वृद्धि नहीं है, बल्कि यह विश्व समुदाय के उस अटूट भरोसे का प्रतीक है जो उसने भारत की आर्थिक संभावनाओं पर जताया है। सात प्रतिशत की यह जाड़ुई विकास दर

भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की सूची में सबसे ऊपर रखती है और यह स्पष्ट करती है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश का आर्थिक पहिया तेज गति से घूम रहा है। इस शानदार आर्थिक वृद्धि के पीछे सबसे बड़ा कारण देश की अपनी मजबूत घरेलू मांग है। पश्चिमी देशों की तरह भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह से केवल निर्यात पर निर्भर नहीं है, बल्कि यहां का विशाल मध्यम वर्ग और उसकी उपभोग क्षमता अर्थव्यवस्था को एक मजबूत ढाल प्रदान करती है। जब वैश्विक बाजारों में मांग कम होती है, तब देश के भीतर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी धाक जमा रहा है। तकनीक के निरंतर विस्तार और नवाचार ने भारतीय उद्यमों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने योग्य बनाया। वित्तीय सेवाओं के आधुनिकीकरण और लेनदेन की नई तकनीकों प्रणालियों ने भी व्यापार को आसान और पारदर्शी बनाया है। सेवा क्षेत्र का लगातार विस्तार न केवल विदेशी मुद्रा भंडार को

बढ़ा रहा है, बल्कि यह लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती पैठ उसे भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर रही है। सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास पर किया जा रहा भारी पूँजीगत व्यय भी इस सात प्रतिशत की वृद्धि का एक प्रमुख वाहक है। नई सड़कों, राजमार्गों, रेलवे मार्गों, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के निर्माण से न केवल देश के विभिन्न हिस्से आपस में बेहतर तरीके से जुड़ रहे हैं, बल्कि इससे माल ढुलाई और व्यापार की लागत में भी भारी कमी आ रही है। बुनियादी ढांचे पर खर्च किया गया धन अर्थव्यवस्था में कई गुना अधिक प्रभाव डालता है। इससे निर्माण सामग्री उद्योगों को सीधा लाभ मिलता है और दिखाड़ी मजदूरों से लेकर तकनीकी विशेषज्ञों तक हर स्तर पर रोजगार का सृजन होता है। सरकार की यह दूरदर्शी सोच अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान कर रही है, जिससे भविष्य में विकास को रफ्तार को और भी तेज किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त विनिर्माण क्षेत्र में जान फूँकने के लिए लागू की गई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का भी सकारात्मक असर दिखने लगा है। देश को वैश्विक विनिर्माण का केंद्र बनने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। अब संचार उपकरणों से लेकर खाद्य सामग्री और बिजली से चलने वाले उपकरणों तक का निर्माण बढ़े पैमाने पर देश के भीतर ही हो रहा है। इससे आयात पर निर्भरता कम हो रही है और व्यापार घाटा भी सुधर रहा है। जब देश में नई औद्योगिक इकाइयां लगती हैं, तो वे अपने साथ कुशल और अकुशल दोनों तरह के कामगारों के लिए अजीबिका लेकर आती हैं। युवाओं को रोजगार मिलने से उनकी आमदनी

बढ़ती है, जिससे वे बाजार में अधिक पैसा खर्च करते हैं। और यह चक्र पूरी अर्थव्यवस्था को लगातार गति प्रदान करता है। भारत जैसे विशाल देश में असली आर्थिक विकास तब तक संभव नहीं है जब तक कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्याधार के साथ पूरी तरह से कदम मिलाकर न चले। कृषि और उससे जुड़े उद्योगों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में बहुत बड़ा योगदान है। अच्छी उपज और बेहतर समर्थन मूल्य के कारण ग्रामीण आय में जो वृद्धि दर्ज की गई है, उसने कृषि उपकरणों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की मांग को तेज किया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ता उपभोग इस बात का संकेत है कि विकास का लाभ केवल शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह समाज के निचले पायदान तक भी पहुंच रहा है। आर्थिक समावेशन की यह प्रक्रिया विकास को अधिक टिकाऊ और संतुलित बनाती है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के इस नए अनुमान का सीधा असर विदेशी निवेशकों की मानसिकता पर भी पड़ेगा। दुनिया भर के निवेशक हमेशा ऐसे बाजारों की तलाश में रहते हैं जहां उन्हें स्थिरता, सुरक्षा और उच्च लाभ की गारंटी मिल सके। जब एक शीर्ष वैश्विक संस्था भारत की विकास दर को बढ़ाती है, तो यह निवेशकों के लिए एक स्पष्ट संकेत होता है कि भारत निवेश के लिए सबसे सुरक्षित और लाभदायक स्थान है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के बढ़ने से देश में नई तकनीक आती है, उत्पादन क्षमता का विस्तार होता है और वैश्विक बाजारों तक हमारी पहुंच आसान हो जाती है। इसके साथ ही, देश के प्रतिभूति बाजारों में भी सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे आम निवेशकों की संपत्ति में भी इजाफा होता है।

हालांकि, इस उच्च विकास दर के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं, जिन पर निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है। मुद्रास्फीति यानी महंगाई दर को नियंत्रित रखना सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक है। यदि वस्तुओं और सेवाओं के दाम तेजी से बढ़ते हैं, तो वह आम आदमी की क्रय शक्ति को कम कर देता है, जिससे अंततः घरेलू मांग प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, जैसे युद्ध और अपूर्वत श्रृंखला में आने वाली बाधाएं, कच्चे तेल और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को अस्थिर कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन और अनियमित मौसम का प्रभाव भी एक बड़ी चिंता का विषय बना रहता है। इसलिए विकास के इस आंकड़े को बनाए रखने के लिए जोखिम प्रबंधन पर विशेष जोर देना होगा। निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि 6.4 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक का यह सफर केवल एक मामूली सा गणितीय बदलाव नहीं है, बल्कि यह एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र की मजबूत बुनियाद का परिचायक है। सरकार की नीतियां, उद्यमियों का साहस और आम नागरिक की मेहनत मिलकर इस आर्थिक महाकाव्य को लिख रही है। यदि आर्थिक सुधारों की यह प्रक्रिया इसी तरह बिना रुके चलती रही और सामने आने वाली चुनौतियों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया गया, तो भारत को एक विकसित और समृद्ध अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का यह अनुमान इस बात का अकादृय प्रमाण है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और आने वाले दशक पूरी तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था के स्वर्णिम काल होने वाले हैं।

# आत्मविश्वास जगाकर ही बनेगा विश्वास और शांति से परिपूर्ण समाज

कांतिलाल मांडोट  
जीवन समस्याओं और संघर्षों का केंद्र है। मनुष्य के जीवन में कठिनाइयाँ आती हैं, परिस्थितियाँ बदलती हैं और अनेक बार चुनौतियाँ उसके धैर्य की परीक्षा लेती हैं। ऐसे समय में वही व्यक्ति आगे बढ़ पाता है, जिसके भीतर आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और संघर्ष करने का साहस होता है। डार्विन ने भी संघर्ष के महत्व को रेखांकित किया था। आज भौतिकवादी युग में मनुष्य की आवश्यकताएँ बढ़ी हैं और उनके साथ समस्याओं का दायरा भी विस्तृत हुआ है। विकसित और विकासशील सभी देशों को किसी न किसी रूप में चुनौतियाँ का सामना करना पड़ता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में भाषा, जाति, धर्म और संप्रदाय से जुड़ी समस्याओं के साथ प्राकृतिक कठिनाइयाँ भी सामने आती हैं। कहीं बाढ़ जनजीवन को प्रभावित करती है तो कहीं सूखा लोगों की पेशानियाँ बढ़ा देता है। इन परिस्थितियों में आत्मविश्वास

और परस्पर सहयोग ही समाज को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। पहले के भारत और आज के भारत में बहुत अंतर आया है। देश में एक राजनीतिक दल हैं और प्रत्येक दल जनता के कल्याण की बात करता है। लेकिन जब कथनी और करनी में अंतर आ जाता है, तब लोगों का विश्वास कमजोर होने लगता है। व्यक्तिगत स्वार्थ और दलगत हितों को प्राथमिकता देने से सामाजिक एकता प्रभावित होती है। शांति की स्थापना के लिए चर्चाएँ और बैठकें होती हैं, फिर भी किसी न अविश्वास और संघर्ष की स्थितियाँ बनी रहती हैं। भाई को भाई पर, पड़ोसी को पड़ोसी पर और एक राष्ट्र को दूसरे राष्ट्र पर संदेह होने लगे तो शांति का मार्ग कठिन हो जाता है। शांति हमारा लक्ष्य है, लेकिन यदि हमारे साधन अशांति उत्पन्न करने वाले हों तो लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। हिंसा,

आतंक और बल प्रयोग किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हैं। दूसरों को पीड़ा देने वाला व्यक्ति यह भूल जाता है कि उसके कर्मों के दुष्परिणाम अंततः उसके जीवन को भी प्रभावित कर सकते हैं। मनुष्य को अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर सार्वजनीन हित के बारे में भी विचार करना चाहिए। गाँव के किसी एक हिस्से में आग लगती है तो समझदार लोग उसे बुझाने के लिए तुरंत आगे आते हैं, क्योंकि उन्हें मालूम है कि आग फैलने पर दूसरे घर भी उसकी चपेट में आ सकते हैं। इसी प्रकार किसी एक देश में उत्पन्न संकट का प्रभाव दूसरे देशों पर भी पड़ सकता है। विश्वयुद्धों के विनाशकारी परिणाम मानवता देख चुकी है। युद्ध किसी के लिए वास्तविक विजय नहीं लाता, क्योंकि उसका नुकसान दोनों पक्षों को उठाना पड़ता है। जिस प्रकार शांति का संकट सदैव बीमार होता है तो पूरे परिवार की चिंता बढ़ जाती है, उसी प्रकार देश के संकट के समय

प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। राष्ट्र का हित केवल शासन चलाने वालों का विषय नहीं है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज और देश के व्यापक हित के लिए कार्य करे। आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौतियाँ में से एक आपसी विश्वास की कमी है। पुराने समय में लोगों के बीच विश्वास और ईमानदारी का विशेष महत्व था। आज सुरक्षा के लिए घरों में अनेक ताले लगाने पड़ते हैं। यह स्थिति हमें सोचने पर विवश करती है कि क्या परिवार और समाज में एक-दूसरे के प्रति भरोसा कमजोर हो रहा है? विश्वास के बिना रिश्ते केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। एक विद्यालय में बच्चों के सामने पेन और कॉपियाँ रखकर नैतिक शिक्षा के महत्व को समझाने का प्रयोग किया गया। इससे पहले बच्चों को ईमानदारी का महत्व

बताया गया और फिर उनकी जिम्मेदारी पर भरोसा किया गया। ऐसी घटनाएँ बताती हैं कि उचित संस्कार और विश्वास का वातावरण तैयार किया जाए तो बच्चों में जिम्मेदारी की भावना विकसित की जा सकती है। नई पीढ़ी को केवल उपदेश देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे अपने आचरण से ईमानदारी और सदाचार का उदाहरण भी देना होगा। राजनीति और सार्वजनिक जीवन में भी विश्वास की रक्षा आवश्यक है। जनता अपने प्रतिनिधियों पर भरोसा करके उन्हें जिम्मेदारी सौंपती है। यदि आश्वासन देने के बाद जनहित की उम्पका की जाती है तो लोगों का विश्वास टूटता है। विश्वास बनाए रखने के लिए कथनी और करनी में समानता होनी चाहिए। इसी प्रकार जीवन की कठिन परिस्थितियों में आशा का दामन नहीं छोड़ना चाहिए। जल विभाग के बड़े पाइपों का भी दौर देखा है।जिसमें रहने वाले श्रमिकों ने विश्वास व्यक्त किया था कि काम समाप्त होने पर वे दूसरी जगह चले जाएँगे और उन्हें कोई विशेष पगार नहीं होगी। उनका विश्वास कठिन परिस्थितियों में भी उन्हें आशावात बनाए हुए था। अतः प्रत्येक नागरिक को आत्मविश्वास के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। महावीर के अहिंसा और करुणा के संदेश को अपनाकर, ईमानदारी की जीवन में उतारकर तथा परस्पर विश्वास को मजबूत बनाकर ही समाज में शांति स्थापित की जा सकती है। अंधकार के बाद प्रकाश आता है और कठिनाइयों के बीच भी नई संभावनाएँ जन्म लेती हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम स्वयं पर विश्वास रखें, दूसरों के प्रति सद्भाव बनाएँ और अपने कर्मों से समाज को बेहतर बनाने का संकल्प लें। यही आत्मविश्वास सुखी व्यक्तित्व, सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र की आधारशिला है।

## संपादकीय

# जब मशीनें स्वयं निर्णय लेने लगें (स्वायत्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता : सुरक्षा, विश्वसनीयता और जवाबदेही की चुनौती)

— डॉ. सत्यवान सौरभ

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का विकास आधुनिक तकनीकी इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है। अब तक अधिकांश डिजिटल प्रणालियाँ मनुष्य के निर्देशों के अनुसार सीमित कार्य करती थीं, लेकिन स्वायत्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आगमन ने इस स्थिति को बदल दिया है। ऐसे एआई एजेंट न केवल प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं, बल्कि स्वतंत्र रूप से योजनाएँ बना सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, डिजिटल उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कई चरणों में कार्य भी कर सकते हैं। इससे प्रशासन, स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान के क्षेत्रों में नई संभावनाएँ खुली हैं। किंतु जैसे-जैसे इन प्रणालियों की स्वायत्तता बढ़ रही है, वैसे-वैसे उनकी सुरक्षा, विश्वसनीयता और जवाबदेही को लेकर चिंताएँ भी गहरी होती जा रही हैं। मूल प्रश्न यह है कि क्या तकनीकी प्रगति की गति के साथ हमारी सुरक्षा व्यवस्थाएँ भी पर्याप्त रूप से विकसित हो रही हैं? स्वायत्त एआई प्रणाली वह तकनीक है, जो किसी निर्धारित उद्देश्य को पूरा करने के लिए परिस्थितियों का आकलन करके स्वयं आगे कदम चुन सकती है। उदाहरण के लिए, एक एआई एजेंट ईमेल पढ़ सकता है, दस्तावेज़ तैयार कर सकता है, इंटरनेट पर जानकारी खोज सकता है और किसी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई भी कर सकता है। यही क्षमता उसे सामान्य चैटबॉट से अधिक प्रभावशाली बनाती है। लेकिन जब किसी प्रणाली को बाहरी वेबसाइटों, सरकारी पोर्टलों, वित्तीय दताओं या संवेदनशील डेटाबेस तक पहुँच मिल जाती है, तब उसकी त्रुटि केवल गलत उत्तर तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वास्तविक दुनिया में नुकसान का कारण बन सकती है।

हाल के वर्षों में एआई एजेंटों द्वारा गलत या अणुष्ट सूचनाओं को सार्वजनिक संस्थाओं तक पहुँचाने की घटनाओं ने इस खतरे की ओर ध्यान आकर्षित किया है। ऐसी घटनाओं का व्यापक संदेश स्पष्ट है—किसी एआई प्रणाली का आत्मविश्वास उसकी जानकारी की सत्यता का प्रमाण नहीं होता। यदि गलत सूचना को बिना मानवीय जाँच के आधिकारिक माध्यमों तक पहुँचा दिया जाए, तो निर्दोष व्यक्तियों की प्रतिष्ठा, प्रशासनिक संसाधनों और सार्वजनिक विश्वास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

स्वायत्त एआई का पहला प्रमुख जोड़िम अनपेक्षित कार्रवाई है। किसी प्रणाली को सीमित उद्देश्य दिया जाता है, लेकिन वह उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए ऐसा तरीका अपना सकती है, जिसकी कल्पना उसके निर्माताओं ने नहीं की होती। उदाहरण के लिए, किसी एजेंट को अधिकतम शिकायतों का निपटारा करने का लक्ष्य दिया जाए, तो वह गुणवत्ता की तुलना में संख्या को

प्राथमिकता दे सकता है। इसी प्रकार, यदि उसे किसी कार्य की शीघ्र पूरा करने के लिए अत्यधिक स्वतंत्रता दी जाए, तो वह आवश्यक सत्यापन की उम्पेक्षा कर सकता है।

इससे जुड़ी दूसरी समस्या लक्ष्य-असंगति है। इसका अर्थ है कि एआई का व्यवहार मनुष्य की वास्तविक मंशा और व्यापक सामाजिक हितों के अनुरूप न रहे। कोई प्रणाली तकनीकी रूप से निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर सकती है, लेकिन ऐसा करते हुए नैतिक नियमों, कानूनी सीमाओं या मानवीय आवश्यकताओं की अनदेखी कर सकती है। इसलिए एआई के उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना ही पर्याप्त नहीं है; यह भी सुनिश्चित करना

**हाल के वर्षों में एआई एजेंटों द्वारा गलत या अणुष्ट सूचनाओं को सार्वजनिक संस्थाओं तक पहुँचाने की घटनाओं ने इस खतरे की ओर ध्यान आकर्षित किया है। ऐसी घटनाओं का व्यापक संदेश स्पष्ट है—किसी एआई प्रणाली का आत्मविश्वास उसकी जानकारी की सत्यता का प्रमाण नहीं होता।**

आवश्यक है कि उन्हें प्राप्त करने के साधन सुरक्षित और स्वीकार्य हों। एआई प्रणालियों का एक अन्य गंभीर जोखिम तथाकथित 'हैलुसिनेशन' है, जिसमें वे गलत, काल्पनिक या अणुष्ट जानकारी को विश्वसनीय भाषा में प्रस्तुत करती हैं। समस्या तब अधिक गंभीर हो जाती है, जब ऐसी जानकारी का उपयोग कानूनी मामलों, चिकित्सा संबंधी निर्णयों, सरकारी कार्रवाहों या पत्रकारिता में किया जाता है। स्वायत्त एजेंटों के संदर्भ में यह जोखिम कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि वे केवल गलत उत्तर उत्पन्न करने तक सीमित नहीं रहते; वे उसी उत्तर के आधार पर आगे की कार्रवाई भी कर सकते हैं। यदि कोई एजेंट किसी गलत तथ्य को सही मानकर शिकायत दर्ज कर दे, किसी व्यक्ति के बारे में भ्रामक रिपोर्ट भेज दे या गलत दस्तावेज़ तैयार करके जमा कर दे, तो त्रुटि का प्रभाव वास्तविक और दूरगामी हो सकता है।

इसका समाधान केवल एआई मॉडल को अधिक शक्तिशाली बनाना नहीं है। आवश्यक है कि महत्वपूर्ण तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि की जाए, विश्वसनीय स्रोतों का उपयोग हो और अनिश्चितता की स्थिति में प्रणाली स्पष्ट रूप से अपनी सीमाएँ बताए। जहाँ तथ्यात्मक सटीकता अत्यंत आवश्यक हो, वहाँ मानवीय सत्यापन को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। स्वायत्त एआई एजेंटों को अक्सर फाइलों, ईमेल, सॉफ्टवेयर और ऑनलाइन सेवाओं तक पहुँच प्रदान की जाती है। यदि उनके अधिकारों पर पर्याप्त नियंत्रण न हो, तो वे अनजाने में गोपनीय जानकारी उजागर

कर सकते हैं या किसी असुरक्षित डिजिटल प्रक्रिया को सक्रिय कर सकते हैं। दुर्भावनापूर्ण निर्देशों, छिपे हुए संदेशों और प्रॉम्प्ट इंजेक्शन जैसी तकनीकों के माध्यम से भी एआई एजेंटों को उनके मूल निर्देशों से भटकाने का प्रयास किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, स्वायत्त एआई द्वारा व्यक्तिगत जानकारी का अनुचित संग्रह, विश्लेषण या साझा किया जाना निजता के अधिकार के लिए चुनौती है। यदि कोई एजेंट एजेंट आवश्यकता से अधिक डेटा तक पहुँच रखता है, तो किसी तकनीकी त्रुटि या सुरक्षा उल्लंघन के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। इसलिए प्रत्येक एआई एजेंट को केवल उतनी ही अनुमति दी जानी चाहिए, जितनी उसके निर्धारित कार्य के लिए आवश्यक हो। संवेदनशील प्रणालियों में सीमित पहुँच, डेटा एन्क्रिप्शन, गतिविधियों का रिकॉर्ड, नियमित सुरक्षा परीक्षण और सुरक्षित परीक्षण-परिवेश अनिवार्य होने चाहिए। स्वायत्त एआई से संबंधित एक मूलभूत समस्या यह है कि उसके निर्णयों के पीछे की प्रक्रिया हमेशा आसानी से समझ में नहीं आती। जटिल मॉडल कभी-कभी ऐसे निष्कर्ष देते हैं, जिनके आधार, सीमाएँ और संभावित त्रुटियाँ स्पष्ट नहीं होतीं। यदि कोई एआई एजेंट किसी व्यक्ति की पात्रता अस्वीकार कर दे, किसी संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट कर दे या कोई वित्तीय कार्रवाई कर दे, तो प्रभावित व्यक्ति के लिए यह जानना कठिन हो सकता है कि निर्णय क्यों लिया गया। इसके साथ जवाबदेही का प्रश्न भी जुड़ा है। यदि किसी स्वायत्त प्रणाली की कार्रवाई से नुकसान होता है, तो जिम्मेदारी किसकी होगी—विकासकर्ता की, उसे तैनात करने वाली संस्था की, उपयोगकर्ता की या उस संगठन की, जिसने उसे आवश्यक अनुमतियाँ दी थीं? इस प्रश्न का उत्तर तकनीकी व्यवस्था के साथ-साथ कानूनी और संस्थागत ढाँचे से भी निर्धारित होना चाहिए। किसी निर्णय को केवल इसलिए जवाबदेही से मुक्त नहीं किया जा सकता कि उसे मशीन ने लिया था। एआई का उपयोग करने वाली संस्थाओं को अपने निर्णयों का रिकॉर्ड रखना चाहिए, शिकायत निवारण की व्यवस्था बनानी चाहिए और प्रभावित लोगों को उचित अपील का अवसर देना चाहिए।

स्वायत्त एआई के सुरक्षित विकास के लिए सबसे पहले मानवीय निगरानी को प्राथमिकता देनी होगी। कम जोखिम वाले कार्यों में सीमित स्वायत्तता उपयोगी हो सकती है, लेकिन कानूनी, वित्तीय, चिकित्सकीय या अन्य महत्वपूर्ण निर्णयों से पहले मानव समीक्षा आवश्यक होनी चाहिए। किसी शिकायत को आधिकारिक रूप से दर्ज करना, धन हस्तांतरित करना या संवेदनशील जानकारी साझा करना जैसी कार्रवाइयाँ स्पष्ट अनुमति के बिना नहीं होनी चाहिए। इसे 'ह्रुमन-इन-द-लूप' व्यवस्था कहा जाता है, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णयों पर मनुष्य का नियंत्रण बना

रहता है। दूसरा महत्वपूर्ण उपाय कठोर सुरक्षा परीक्षण है। एआई प्रणालियों को वास्तविक परिस्थितियों में उपयोग करने से पहले विभिन्न संभावित त्रुटियों, दुर्भावनापूर्ण निर्देशों और असामान्य परिस्थितियों के विरुद्ध परखा जाना चाहिए। रेड-टीमिंग, स्वतंत्र ऑडिट और नियमित मूल्यांकन से कमजोरियों की पहचान की जा सकती है। प्रणाली में बड़े बदलाव होने पर दोबारा परीक्षण भी आवश्यक है। इसके साथ सैडबॉक्सिंग, सीमित अनुमतियाँ, प्रत्येक कार्रवाई से पहले जोखिम का आकलन, गतिविधियों की निगरानी और आपातकालीन रूप से प्रणाली को बंद करने की व्यवस्था संभावित नुकसान को कम कर सकती है। किसी एजेंट को एक साथ अत्यधिक अधिकार देने के बजाय उसके कार्यों को छोटे, नियंत्रित चरणों में बाँटना अधिक सुरक्षित होगा।

सरकारों और नियामक संस्थाओं को भी जोखिम-आधारित नियम विकसित करने चाहिए। उच्च जोखिम वाले एआई अनुप्रयोगों के लिए स्पष्ट मानक, स्वतंत्र मूल्यांकन, गंभीर घटनाओं की रिपोर्टिंग और जवाबदेही निर्धारित होनी चाहिए। नियम इतने लचीले हों कि उपयोगी नवाचार बाधित न हो और इतने प्रभावी भी कि कंपनियाँ बजारे में जल्दी पहुँचने के लिए सुरक्षा से समझौता न करें। इसके साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी आवश्यक है। एआई प्रणालियाँ राष्ट्रीय सीमाओं से परे काम करती हैं, इसलिए साइबर सुरक्षा, गोपनीयता, जोखिम मूल्यांकन और गंभीर घटनाओं की रिपोर्टिंग के लिए साझा मानक विकसित किए जाने चाहिए। सरकारों, वैज्ञानिकों, उद्योगों और नागरिक समाज के बीच सहयोग से ही एक भरोसेमंद वैश्विक व्यवस्था बनाई जा सकती है।

स्वायत्त कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव क्षमता का विस्तार करने वाली शक्तिशाली तकनीक है। इसका उचित उपयोग उत्पादकता बढ़ा सकता है, जटिल समस्याओं के समाधान में सहायता कर सकता है और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बना सकता है। लेकिन स्वायत्तता जितनी अधिक होगी, संभावित त्रुटियाँ और उनके परिणामों को नियंत्रित करने की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी।

इसलिए एआई के विकास का मूल्यांकन केवल उसकी गति, दक्षता और आर्थिक लाभ से नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इस आधार पर भी होना चाहिए कि वह कितना सुरक्षित, पारदर्शी, निष्पक्ष और जवाबदेह है। तकनीकी सुरक्षा, मानवीय नियंत्रण, प्रभावी कानून और संस्थागत उत्तरदायित्व के बीच संतुलन स्थापित करना समय की आवश्यकता है। एआई का वास्तविक भविष्य इस बात से तय होगा कि हम मशीनों को कितना सक्षम बनाते हैं, उससे अधिक इस बात से कि हम उनकी शक्ति को कितनी जिम्मेदारी से नियंत्रित करते हैं।



### संक्षिप्त डायरी

**यूपीआई भुगतान पर एमडीआर चार्ज के विरोध में व्यापारियों ने थाली बजाकर किया प्रदर्शन**
**एजेंसी**
**जौनपुर।** उत्तर प्रदेश के जौनपुर में मंगलवार को समाजवादी व्यापार सभा के कार्यकर्ताओं ने यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) चार्ज के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में थाली बजाकर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष संजीव कुमार साहू के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने अपर जिलाधिकारी परमानंद झा को राष्ट्रपति के नाम संबोधित जापन सौंपकर प्रस्तावित शुल्क वापस लेने की मांग की। जिलाध्यक्ष संजीव कुमार साहू ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 15 अक्टूबर से यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित 0.04 प्रतिशत एमडीआर चार्ज के विरोध में शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से जुड़े नियमों और शुल्कों के कारण व्यापारी परेशान हैं। प्रस्तावित चार्ज से छोटे दुकानदारों, खुदरा व्यापारियों और अन्य कारोबारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को सरल, सुलभ और किफायती बनाए रखना जरूरी है। व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार को ऐसे निर्णय लेने चाहिए, जिससे छोटे कारोबारियों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव न पड़े। उन्होंने व्यापारियों के हितों से जुड़े निर्णयों में व्यापारिक संगठनों और संबंधित हितधारकों से संवाद करने की भी मांग की।

### शाही पुल से गोमती नदी में कूदा युवक, तलाश में जुटी एसडीआरएफ और पीएसी की टीम

**एजेंसी**
**जौनपुर।**उत्तर प्रदेश के जौनपुर में नगर कोतवाली क्षेत्र के शाही पुल से सोमवार देर रात एक युवक ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू कराई। मंगलवार को एसडीआरएफ और पीएसी के गोताखोरों को बुलाकर तलाश अभियान चलाया जा रहा है। सरायपोखटा चौकी प्रभारी राहुल रंजन ने मंगलवार को बताया कि सहायद्वीनपुर निवासी मोहम्मद उमैर सोमवार रात किसी बात से नाराज होकर घर से निकल गया था। रात करीब 12:30 बजे उनके पिता के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने सदेश दिया कि उन्हें माफ कर दें, वह पुल पर है। दोबारा फोन करने पर पता चला कि उमैर ने किसी व्यक्ति से मोबाइल लेकर फोन किया था। रिजन उसकी तलाश में जेसीज चौराहे और सद्दावना पुल पहुंचे, लेकिन उसका पता नहीं चला। बाद में शाही पुल पर उमैर एक अर्टिंगा कार के पीछे छिपा मिला। परिजनों को देखते ही वह नदी की ओर बढ़ने लगा। मोहम्मद नसीम ने उसे रोकने और बात करने की कोशिश की। इसी दौरान नसीम का मोबाइल बजने लगा और वह फोन निकालने लगे। तभी उमैर ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। इस संबंध में चौकी प्रभारी ने बताया कि परिजनों की ओर से पुलिस को घटना की जानकारी नहीं दी गई है। घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। युवक की तलाश के लिए एसडीआरएफ और पीएसी के गोताखोरों को बुलाया गया है।

### श्रावस्ती में फंदे से लटका मिला किशोरी का शव, जांच में जुटी पुलिस

**एजेंसी**
**श्रावस्ती।** उत्तर प्रदेश में श्रावस्ती जिले के इकौना थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय किशोरी का शव सोमवार की रात सदियथ परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला है। मंगलवार सुबह परिजनों की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी भरत पाव्वान ने बताया कि जयवंदपुर कटघरा गांव के मजरा बहुईपुरवा निवासी राजामा विश्वकर्मा की बेटी अंशिका विश्वकर्मा (15) का शव सदियथ परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला है। सूचना पर इकौना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाएं। इसके बाद पुलिस शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना को लेकर कई सवाल बने हुए हैं और पुलिस जांच में जुटी है।

### नारी शक्ति के सम्मान के साथ यातायात नियमों के

### प्रति जागरूक करना अभियान का उद्देश्य : डीसीपी एजेंसी

**कानपुर।** मिशन शक्ति फेज-6 के तहत नवरात्र के अवसर पर यातायात पुलिस की ओर से नारी शक्ति के सम्मान, महिला सशक्तीकरण और सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत मंगलवार को शहर के प्रमुख चौराहों पर महिला यातायात पुलिसकर्मियों को यातायात संचालन का जिम्मेदारी सौंपी गई है। अभियान में एनसीसी गर्ल्स विंग की छात्राओं ने भी भाग लिया। डीसीपी ट्रैफिक अभय नाथ त्रिपाठी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ ही आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मियों की यातायात संचालन में भागीदारी नारी शक्ति के आत्मविश्वास और क्षमता को प्रदर्शित करती है। एनसीसी छात्राओं को यातायात संकेतों, नियमों और सुरक्षित तरीके से यातायात संचालन की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है, ताकि वे सड़क सुरक्षा के महत्व को समझ सकें और दूसरों की भी जागरूक कर सकें। अभय नाथ त्रिपाठी ने कहा कि सड़क पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों का पालन करना उल्लेक नागरिक की जिम्मेदारी है। वाहन चालकों को यातायात संकेतों का ध्यान रखने, निर्धारित नियमों के अनुसार वाहन चलाने और सड़क पर सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में भी मदद मिलेगी।

### भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बनीं प्रीति गुप्ता और अनुपमा राय

**एजेंसी**
**जौनपुर।** उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) ने महिला मोर्चा के जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। इसके तहत जौनपुर में प्रीति गुप्ता और मछलीशहर में अनुपमा राय को महिला मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। दोनों की नियुक्ति से पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष है। प्रीति गुप्ता जनपद में लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। वह सखी वेलफेयर फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष हैं। संस्था के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य जागरूकता, शिक्षा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य करती हैं। उनकी शैक्षणिक योग्यता एमएएससी और बीएड है। वह सहकार भारती की जिला महिला प्रमुख, राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के महिला प्रकोष्ठ की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तथा भाजपा की नगरीय उत्तरी इकाई की कार्यसमिति सदस्य भी रह चुकी हैं। प्रीति गुप्ता जरूरतमंद महिलाओं और बच्चों को सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने, नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कराने तथा महिलाओं एवं युवतियों को सिलाई-कढ़ाई और ब्यूटी पालर जैसे कौशल का प्रशिक्षण दिलाकर आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों से जुड़ी रही हैं। वह सेवा भारती और राष्ट्र सेविका समिति सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ भी काम करती रही हैं। वहीं, अनुपमा राय का राजनीतिक सफर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू हुआ। उन्होंने वर्ष 2012 में परिषद की सदस्यता ग्रहण की। वर्ष 2013 में आईटी सेल की जिला सह-संयोजक और 2014 में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की जिला संयोजक रहीं। वर्ष 2018 में उन्हें जौनपुर महिला मोर्चा का जिला महामंत्री बनाया गया। वर्ष 2022 में भी उन्होंने जिला महामंत्री का दायित्व निभाया।

# शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

## देवी चन्द्रघण्टायै नमः के मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने किए दर्शन-पूजन, जयकारों से गुंजा मंदिर परिसर

**एजेंसी**
**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी (काशी) में शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन मंगलवार को मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा के दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। चौक स्थित चित्रघंटा गली में माता के दरबार में भोर से ही भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। मां के विग्रह के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लकड़ी चौतरा तक लगी रही। भक्तों ने अपनी बारी आने पर देवी चन्द्रघण्टायै नमः मंत्र का जाप करते हुए माता के चरणों में नारियल और चुरनी अर्पित की तथा सुख-समृद्धि, पारिवारिक शांति और संतान की मंगलकामना की। इस दौरान पूरा मंदिर

## बेटी की हत्या में पिता समेत दो गिरफ्तार

**एजेंसी**
**औरैया।** उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बेला थाना क्षेत्र के दलपपुर गांव के पास वन विभाग की जमीन पर गड्ढे में दबी मिली युवती की हत्या की घटना का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या की घटना में मृतक के पिता समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ें बताया कि बीते माह 20 सितंबर को ग्राम प्रधान ऊसरारा ने बेला पुलिस को सूचना दी थी कि दलपपुर मोड़ के पास वन विभाग की जमीन पर सड़क से करीब 50 मीटर अंदर बबूल के पेड़ों के बीच एक अज्ञात युवती का शव गड्ढे में दबा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। फोल्ड यूनिट ने मौके से साक्ष्य जुटाए और पंचायतनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चिचौली स्थित मोर्चरी भेज दिया। वहां से पिता दीपक के साथ चले गए। रजत के अनुसार, पिता से फोन पर पूछने पर उन्होंने दीपक के साथ मिलकर बहन की हत्या करने और शव को दलपपुर के जंगल में गाड़ने की बात बताई। पिता की घमकी के डर से उसने तत्काल पुलिस को सूचना नहीं दी। तहरीर के आधार पर बेला थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने 13 अक्टूबर को कैथवा मोड़ के पास से बेटी की हत्या के आरोपित पिता चन्द्रप्रकाश उर्फ भगवान दीन (48) निवासी कपूरापुर, कनौज और दीपक उर्फ दीपांशु (25) निवासी दलपपुर, बेला को गिरफ्तार कर लिया। एस्पपी ने बताया कि पूछताछ में गिरफ्तार आरोपित चन्द्रप्रकाश ने बताया कि बेटी के बिना बताए घर से चले जाने को लेकर वह नाराज रहता था। इसी कारण उसने बहन के बेटे के साथ मिलकर उसकी हत्या की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया।

# नवरात्र मेले में विंध्याचल स्टेशन पर बढ़ाई गई सुविधाएं, 20 अतिरिक्त चेकिंग स्टाफ तैनात

**एजेंसी**
**मीरजापुर।** शारदीय नवरात्र मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विंध्याचल स्टेशन पर व्यापक इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती के साथ टिकट, खानपान, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था की गई है। वरिष्ठ मंडल बाणज्य प्रबंधक हरि मोहन ने बताया कि मेले के दौरान यात्रियों को सुगम रेल यात्रा उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। स्टेशन पर तीन अनारक्षित टिकट काउंटर और एक पूछाछल रेलवे स्टेशन हैं। आरक्षित टिकट काउंटर दो शिफ्ट में काम कर रहा है। टिकट संबंधी कार्यों के लिए आठ अतिरिक्त कर्मचारी और यात्रियों की सहायता व टिकट जवाबों के लिए 20 अतिरिक्त चेकिंग स्टाफ तैनात किए गए हैं। स्टेशन पर पांच खानपान स्टॉल, पर्याप्त पेयजल प्वाइंट, 15 पुरुष और 15 महिला शौचालय तथा अस्थायी यात्री शेड की व्यवस्था है। यात्रियों की सहायता के लिए सक्रुटींटा एरिया में खोपा-पापा केंद्र बनाया



गया है। स्टेशन परिसर, बस स्टैंड और मंदिर के आसपास ट्रेनों की समय-सारिणी व जरूरी सुसजानएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यात्रियों की आवश्यकता के अनुसार ट्रेनों का ठहराव भी सुनिश्चित किया गया है। सुरक्षा के लिए रेलवे की सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के सेवाएं दी गईं। स्टेशन पर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, नागरिक सुरक्षा संगठन, भारत स्काउट एवं गाइड और राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सा की सुविधा भी उपलब्ध है। आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है।

# वाराणसी आएंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, एयर शो की तैयारियों का लेंगे जायजा

### भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में एमएलसी चुनाव के लिए देंगे जीत का मंत्र, बृथ प्रबंधन पर करेंगे मार्गदर्शन

**एजेंसी**
**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार 14 अक्टूबर को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचेंगे। पहले दिन वह संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होंगे। यहां मुख्यमंत्री वाराणसी खंड के स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों, बृथ प्रबंधन और मतदाताओं तक पहुंच बनाने के संबंध में मार्गदर्शन देंगे। इसके बाद वह नमो घाट पर भारतीय वायुसेना के प्रस्तावित एयर शो की तैयारियों का निरीक्षण कर सकते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री बुधवार शाम करीब चार बजे



पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर पहुंचेंगे। यहां से वह संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेने जाएंगे और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। सम्मेलन में आगामी एमएलसी चुनावों की रणनीति, बृथ

स्तर पर संगठन की मजबूती और मतदाताओं से संपर्क बढ़ाने पर जोर दिए जाने की संभावना है। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद मुख्यमंत्री नमो

आराधना से मिलती है निर्भयता और शक्ति नवरात्र के तीसरे दिन पूजित मां चंद्रघंटा को आदिशक्ति का सौम्य और शक्तिशाली स्वरूप माना जाता है। उनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित है, इसी कारण उन्हें चंद्रघंटा कहा जाता है। देवी की दस भुजाएं हैं, जिनमें खड्ग, बाण और गदा सहित विभिन्न अस्त्र-शस्त्र धारण किए हुए हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उनके घंटे की प्रचंड ध्वनि से असुर भयभीत हो उठते हैं। मान्यता है कि जब असुरों के बढ़ते प्रभाव से देवता त्रस्त हो गए, तब आदिशक्ति ने मां चंद्रघंटा के रूप में अवतार लेकर उनका संहार किया और देवताओं को संकट से मुक्ति दिलाई। देवी के इस स्वरूप की

आराधना से साधक को भय से मुक्ति, साहस और शक्ति प्राप्त होती है। आध्यात्मिक मान्यताओं में मां चंद्रघंटा का संबंध मणिपुर चक्र से बताया गया है, जबकि ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार उनका संबंध मंगल ग्रह से है। माता की कृपा प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु मंदिर में पीतल की घंटी अर्पित करने के साथ अनाज, जैसे गेहूं और चावल, तथा धन का दान भी करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक की गई पूजा-अर्चना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। चौथे दिन मां कृष्णंंडा के दर्शन-पूजन की परंपरा शारदीय नवरात्र के चौथे दिन दुर्गाकुंड स्थित मां कृष्णंंडा के मंदिर में दर्शन-पूजन का विधान है। इस बार दस दिवसीय नवरात्र के चलते श्रद्धालुओं को मां

के दर्शन-पूजन का अवसर दो दिनों तक मिलेगा। मान्यता है कि मां कृष्णंंडा की आराधना से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और भक्तों को दुखों से मुक्ति मिलती है। मां कृष्णंंडा की आठ भुजाएं हैं। उनके सात हाथों में क्रमशः कर्मंडल, धनुष, बाण, कमल पुष्प, अमृत से भरा कलश, चक्र और गदा सुशोभित हैं। देवी के आठवें हाथ में जपमाला धारण करने की मान्यता है। मां कृष्णंंडा को सृष्टि की सृजनकर्ता और जगत का पालन करने वाली देवी के रूप में भी पूजा जाता है। नवरात्र के चौथे दिन उनके दर्शन-पूजन के लिए काशी के दुर्गाकुंड स्थित मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है।

# एसआईआर में 2003 की व्यवस्था समाप्त, 10 अप्रैल 2026 की मतदाता सूची से होगा मिलान

**एजेंसी**
**औरैया।** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने और पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। समाजवादी पार्टी (सपा) के जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम ने मंगलवार को आयोजित वार्ता में उक्त अभियान की जानकारी दी। उन्होंने पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम जांचने और नाम छट्टने की स्थिति में उसे जुड़वाने की अपील की। जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से पांच अक्टूबर 2026 से पांच नवंबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पांच नवंबर तक नए मतदाता बांटा जा प्रारधान किया गया है। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत वर्ष 2003 की मतदाता सूची के आधार पर लागू व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। अब बूथ लेवल अधिकारी



(बीएलओ) 10 अप्रैल 2026 की मतदाता सूची से दोबारा मिलान करेंगे। इस प्रक्रिया में जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची से कट गए हैं, उन्हें नियमानुसार दोबारा शामिल करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के पात्र युवा भी मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर प्रारूप-06 भरना होगा। सपा

जिलाध्यक्ष ने मतदाताओं से अपील की कि वे अभियान के दौरान समय रहते अपना नाम मतदाता सूची में जांच लें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। वार्ता के दौरान जिले में चल रहे विधान परिषद के खंड स्नातक और खंड शिक्षक निर्वाचन को लेकर भी चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष ने बताया कि इन चुनावों के संचालन के लिए प्रभारी नियुक्त किए गए

हैं। इस दौरान चुनाव संबंधी गतिविधियों और प्रत्याशियों के समर्थन में किए जा रहे प्रयासों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल के प्रतिनिधि डॉ. प्रकाशचंद्र गुप्ता, उनके भाई सीपी अग्रवाल, अर्जुन कुशवाह, अमरदीप, रामरत दोहरे समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे।

# विपक्ष को संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ प्रदर्शन नहीं करना चाहिए - प्रो. एस पी सिंह बघेल

**एजेंसी**
**फिरोजाबाद।** केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस पी सिंह बघेल ने सोमवार देर रात फिरोजाबाद में सपा, कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में धरना-प्रदर्शन होते हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ इस प्रकार से प्रदर्शन नहीं करना चाहिए। केंद्रीय राज्य मंत्री प्रो. एस पी सिंह बघेल सोमवार देर रात जिला राठौर सभा द्वारा फिरोजाबाद शहर में निकाली गई राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौी की जयंती के अवसर



तो दूसरों को चुनौती देने का अधिकार नहीं होना चाहिए। उन्होंने एआईएमआईएम प्रमुखों असदुद्दीन ओवैसी के बयान कि मुसलमान अपना नेता नहीं चुन पा रहे, वही मुसलमानों के नेता हैं, पर कहा कि ये तो आने वाला चुनाव बताया, लेकिन एक जाति, वर्ग, क्षेत्र और धर्म की राजनीति करने वाला कभी राष्ट्रीय राजनीति नहीं कर सकते। केंद्रीय राज्य मंत्री ने दिल्ली में हो रहे धरना प्रदर्शन पर कहा कि लोकतंत्र में धरना-प्रदर्शन होते हैं, लेकिन गलत इश्यू पर संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ इस प्रकार से प्रदर्शन नहीं करना चाहिए। इस मौके पर राठौर सभा के जिलाध्यक्ष रश्मिकांत राठौर, राजेंद्र सिंह राठौर प्रदेश अध्यक्ष यूटा, बबलू सिंह राठौर गोल्डी, निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुभाष राठौर, चमन राठौर, युवा जिलाध्यक्ष राजेंद्र राठौर से, महिला अध्यक्ष किशन राठौर आदि मौजूद रहे।

## बागपत के अमन कुमार को मिला प्रदेश स्तरीय यूथ फॉर विकसित भारत पुरस्कार

**एजेंसी**
**बागपत।** बागपत जिले के द्योढ़ी गांव निवासी युवा अमन कुमार को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से प्रदेश स्तरीय हर्षूथ फॉर विकसित भारतह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वाराणसी में आयोजित माय भारत यूथ कन्वेंशन में अमन को यह सम्मान उनके सामाजिक कार्यों और ग्रामीण युवाओं को शिक्षा, प्रशिक्षण व करियर के अवसरों से जोड़ने के प्रयासों के लिए दिया गया। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सूचना विभाग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में प्रदेश के 75 जिलों से हजारों युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान बागपत के अमन का नाम शीर्ष माय भारत स्वयंसेवकों में घोषित होने पर सभागार तालियों से गुंज उठा। माय भारत मुख्यालय के संयुक्त निदेशक मोहन सिंह शाही और उत्तर प्रदेश के राज्य निदेशक गोपेश पांडेय ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। अमन का सफर अखबार बेचने से शुरू हुआ था। आज वह ग्रामीण युवाओं को आगे बढ़ाने के मिशन में जुटे हैं। माय भारत से संबद्ध उड़ान यूथ क्लब के अध्यक्ष अमन ने द्वाराजेक्ट कंटेस्ट 360ह की शुरुआत की। इसके माध्यम से ग्रामीण युवाओं तक प्रतियोगी परीक्षाओं, छात्रवृत्तियों, प्रशिक्षण और करियर के अवसरों की जानकारी पहुंचाई जा रही है। बागपत प्रशासन के साथ विभिन्न अभियानों और ई-गवर्नेंस नवाचारों में भी उन्होंने योगदान दिया है। अमन के सामाजिक कार्यों को वृनिसेफ, यूनेस्को और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी से जुड़े मंचों पर भी पहचान मिल चुकी है।





# मणि रत्नम के साथ काम करना जिंदगी बदलने वाला अनुभव

अभिनेत्री अदिति रायु हैदरी के लिए कला का मतलब सिर्फ अभिनय या फैशन तक सीमित नहीं है। उनके लिए यह खुद को पहचानने, अपनी सहज प्रवृत्ति पर मरोसा करने और हर नए अनुभव से कुछ सीखने का साफर है। बचपन के सपनों से लेकर अपने करियर को नई दिशा देने वाले फिल्मकारों तक, अदिति ने हमेशा अपने भीतर की जिज्ञासा को जिंदा रखने की कोशिश की है।

फेमिना के सितंबर-अक्टूबर 2026 अंक की कवर स्टोरी में अदिति ने सिनेमा, फैशन, अपनी कलात्मक पहचान और निजी भावनाओं को पर्दे पर उतारने के अनुभवों पर खुलकर बात की है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके जीवन में परिवार की सीख और फिल्मकार मणि रत्नम के साथ काम करने के अनुभव ने कितनी अहम भूमिका निभाई है। अदिति की कलात्मक सोच को आकार देने में उनके परिवार और बचपन के माहौल का बड़ा योगदान रहा है। वह बताती हैं कि उनकी मां की एक सीख आज भी उनके साथ है। अदिति के मुताबिक, उनकी मां ने उनसे कहा था, ‘अगर आप सच में एक कलाकार हैं, तो कोई आपको कमतर नहीं आंक सकता। जिंदगी में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन सृजन

करने की क्षमता आपके भीतर होती है। यही आपका सबसे बड़ा उपहार है, इरादे और प्रेम के साथ लगातार कुछ नया रचते रहना।’ अदिति के लिए यह विचार उनके काम का मूल आधार है। वह अपने करियर को सिर्फ उपलब्धियों के तराजू पर नहीं तौलती, बल्कि इस बात को भी अहम मानती हैं कि वह अपने काम के जरिए क्या नया सीख रही हैं और किस तरह अपनी रचनात्मकता को आगे बढ़ा रही हैं।

## अतीत से ज्यादा भविष्य को लेकर उत्सुक हैं अदिति

अपने करियर में कई यादगार भूमिकाएं और महत्वपूर्ण सहयोग करने के बावजूद अदिति पीछे मुड़कर देखने के बजाय वर्तमान में जीना पसंद करती हैं। वह कहती हैं, ‘मैं शायद ही कभी पीछे मुड़कर देखती हूं। मैं वर्तमान में जीना चाहती हूं, उससे सीखना और उसका जश्न मनाना चाहती हूं। मैं भविष्य को लेकर उत्सुक हूं।’ उनकी यह सोच बताती है कि वह पुरानी सफलताओं में उलझे रहने के बजाय नए अनुभवों और संभावनाओं के लिए खुद को खुला रखना चाहती हैं। अदिति के दिल में फिल्मकार मणि रत्नम की फिल्मों के लिए खास जगह रही है। वह उनकी फिल्मों के लिए खास जगह रही है। वह उनकी फिल्मों देखकर इतनी प्रभावित हुई थीं कि बचपन में

उन्हीं की फिल्मों की नायिका बनने का सपना देखने लगी थीं। जब उन्हें उनके साथ काम करने का अवसर मिला, तो यह अनुभव उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा था। अदिति कहती हैं, ‘मणि रत्नम के साथ काम करने ने मेरी जिंदगी को हर तरह से बदल दिया। इससे मुझे अपने सपनों पर विश्वास हुआ। मुझे महसूस हुआ कि मुझे समझा और पहचाना जा रहा है। इस अनुभव ने मुझे अपने भीतर के उस जिज्ञासु पांच साल के बच्चे को सहजता से स्वीकार करने का साहस दिया।’ उनकी बातों से साफ है कि इस सहयोग ने सिर्फ उनके पेशेवर साफर को ही नहीं, बल्कि खुद को देखने और समझने के नजरिए को भी प्रभावित

किया।



## कैमरे के सामने अपनी निजी भावनाएं खोलना आसान नहीं

अभिनय की दुनिया में कलाकारों को कई बार ऐसी भावनाएं पर्दे पर दिखानी पड़ती हैं, जिन्हें वे अपनी निजी जिंदगी में दूसरों से साझा नहीं करते। अदिति भी इस अनुभव को दिलचस्प और संवेदनशील मानती हैं। वह कहती हैं, ‘मुझे यह बात दिलचस्प लगती है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान हम अपने दिल और दिमाग के बेहद संवेदनशील हिस्सों को सामने लाते हैं और फिर उन्हें पूरी दुनिया के साथ साझा कर देते हैं। गुस्सा, आंसू, प्यार और ऐसी ही कई भावनाएं हम अपनी निजी जिंदगी में बहुत संभालकर रखते हैं, लेकिन कैमरे के सामने उन्हें जाहिर कर देते हैं।’ अदिति के मुताबिक, अभिनय की यही प्रक्रिया कलाकार को अपनी भावनाओं के उन पहलुओं से रूबरू कराती है, जिन्हें आमतौर पर वह निजी दायरे में ही रखना पसंद करता है।

## संक्षिप्त समाचार

### पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । पाकिस्तान के कप्तान साहिबजादा फरहान ने भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का एक बड़ा टी20 रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फरहान ने अभिषेक को पीछे छोड़ते हुए एक नई उपलब्धि अपने नाम की है। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच हाल ही में तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली गई। पाकिस्तान ने ये सीरीज 2-1 से जीती। साहिबजादा फरहान के लिए कप्तानी के साथ ही बतौर बल्लेबाज भी श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज यादगार रही है। फरहान ने तीनों ही मैचों में अर्धशतक लगाते हुए 238 रन बनाए और तीन टी20 मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा



रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। पिछला रिकॉर्ड भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के नाम था। अभिषेक ने अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेली गई तीन टी20 मैचों की सीरीज में 229 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के कोलिन मुनरो हैं। मुनरो ने 2023-24 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में 223 रन बनाए थे। चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं। वॉर्नर ने 2019 में श्रीलंका के खिलाफ 217 रन बनाए थे। पांचवें स्थान पर अफगानिस्तान के हजरतुल्लाह जजई हैं। जजई ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 204 रन बनाए थे।

### बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम की घोषणा, विकम को मौका

एंटीगुआ । बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है। रोस्टन चेस की कप्तानी वाली टीम में केविन विकम को पहली बार मौका दिया गया है। सीरीज का पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से मीरपुर में और दूसरा 5 नवंबर को सिलहट में शुरू होगा। केविन विकम को 2026 वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। 123 साल के इस बल्लेबाज ने चैंपियनशिप में लगातार तीन



शतकीय पारियां खेली थीं। 25 प्रथम श्रेणी मैचों में 40 से ऊपर की औसत से रन बनाने वाले केविन 6 शतक लगा चुके हैं। वह मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज हैं। क्वाइट-बॉल टीम के कप्तान शाई होप को आराम दिया गया है। तेज गेंदबाज अलजारी जोसेफ को रूटीन मेडिकल जांच और विशेषज्ञों की सलाह के बाद सीरीज से हटा दिया गया है। जोसेफ की सहमति से, क्रिकेट वेस्टइंडीज ने उनके वर्कलोड को मैनेज करने का फैसला किया है। हालांकि, वह छोटे फॉर्मेट में टीम का हिस्सा हैं। ऑलराउंडर कीमो पॉल को सीरीज के लिए जोसेफ की जगह बुलाया गया है। जॉन कैपबेल ने हेमरिटिंग इंजरी से रिक्त कर रहे हुए टीम में वापसी की है। इसके अलावा, गर्मियों में श्रीलंका को हराने और पाकिस्तान के साथ ड्रॉ खेलने वाली स्क्वाड में कोई बदलाव नहीं हुआ है।



# राफेल जोडर का शानदार प्रदर्शन जारी

## शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले बने दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी

शंघाई । राफेल जोडर ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए लगातार तीसरे मैच में एक सेट गंवाने के बाद वापसी की और शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह टूर्नामेंट इस सीजन के सबसे बड़े एटीपी मास्टर्स 1000 आयोजनों में से एक है। 20 वर्षीय जोडर ने नीदरलैंड्स के बोटिक वैन डी जैंडशल्प को 2 घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7(4), 6-4, 6-2 से हराया। पहला सेट हारने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की और अगले दो सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोडर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। शंघाई मास्टर्स के इतिहास में सबसे युवा क्वार्टर फाइनलिस्ट जैकब मैन्सिक हैं, जो 19 साल की उम्र में शंघाई मास्टर्स 2024 में अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वैन डी जैंडशल्प ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले सेट में मिले दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाए। इसके बाद उन्होंने टाई-ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाते हुए शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, राफेल जोडर ने हार नहीं मानी और दूसरे सेट से अपनी लय पकड़नी शुरू की। धीरे-धीरे उन्होंने मैच पर नियंत्रण बना लिया और शानदार वापसी करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। एटीपी टूर की रिपोर्ट के अनुसार, यह उनका शंघाई में पहला टूर्नामेंट था। इस जीत के साथ एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हो गई हैं। 20 वर्षीय जोडर एटीपी टूर पर अपना पहला पूरा सीजन खेल रहे हैं और इस साल उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 41-16 हो गया है।

# पुरुष हॉकी टीम का ऐलान

## एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कृष्ण पाठक की वापसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पंजाब में होने वाली ‘एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026’ के लिए भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेला जाएगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तान संभालेंगे। उन्होंने जापान में हुए एशियन गेम्स में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जितया था, जहां टीम ने पहली बार अपने महाद्विपीय खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। टीम में उन खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जिन्होंने एशियन गेम्स में सफलता दिलाई थी।

इससे निरंतरता बनी रहेगी, क्योंकि भारत घरेलू मैदान पर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों का सामना करने की तैयारी कर रहा है। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की वापसी हुई है, जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लकड़ा और मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालागे को सीनियर टीम में अपनी जगह मजबूत करने

का एक और मौका मिला है। 18 सदस्यीय प्लेइंग स्क्वाड के अलावा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह और फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह को दो रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर चुना

उठाने के लिए बताब हैं। भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा कुछ नहीं है, और हमने इसे बहुत मिस किया है।

यह टूर्नामेंट खास महत्व रखता



गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, ‘पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा। इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ

है, क्योंकि इससे पंजाब में इंटरनेशनल हॉकी की वापसी हो रही है। इस राज्य ने खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है और कई पीढ़ियों तक शानदार खिलाड़ी दिए हैं।

## भारतीय पुरुष हॉकी टीम

गोलकीपर: सूरज करकेरा, कृष्ण बहादुर पाठक डिफेंडर: संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमनदीप लकड़ा मिडफील्डर: राजेंद्र सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह फॉरवर्ड: शिलानंद लकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिवागीत सिंह, मनदीप सिंह रिजर्व/रिप्लेसमेंट खिलाड़ी: विष्णु कांत सिंह, अंगद बीर सिंह

## बर्थडे स्पेशल

## 75 और 97 ही नहीं गौतम गंभीर की 137 रन की पारी भी थी यादगार



नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर बतौर क्रिकेटर भी टीम इंडिया के लिए बेहद सफल रहे हैं। अपने समय के बेहतरीन ओपनर रहे गंभीर के करियर की सबसे यादगार पारियों में टी20 विश्व कप 2007 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ 75 और वनडे विश्व कप 2011 के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ खेली 97 रन की मैच-विजयी पारियां हमेशा अहम रहेंगी, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में भी गंभीर ने ऐसी कई पारियां खेली हैं, जो बतौर बल्लेबाज उनकी संपूर्णता का उदाहरण हैं।

गौतम गंभीर ने अपने टेस्ट करियर में देश और विदेश में कई प्रशंसनीय पारियां खेली हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के नेपियर में 2009 में खेली गई 137 रन की पारी उनके टेस्ट करियर की सबसे अद्भुत और बेहतरीन पारी मानी जाती है। गंभीर की उस पारी ने भारत को हार से बचाया था।

## हरमनप्रीत बोले-पहली

## बार मेरे पिता मुझे

## देखेंगे लाइव खेलते

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि मेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 भारतीय टीम के लिए एक खास अवसर है। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब में खेला जाएगा और इसके साथ ही राज्य में अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। भारत इस छह टीमों वाले टूर्नामेंट में मलेशिया, साउथ कोरिया, चीन, जापान और बांग्लादेश के साथ मुकाबला करेगा। टूर्नामेंट का आयोजन जालंधर और मोहाली में किया जाएगा। 2023 में चेन्नई में आयोजन के बाद यह दूसरी बार होगा जब भारत पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा। हरमनप्रीत के लिए इस टूर्नामेंट का खास महत्व है क्योंकि भारतीय कप्तान को अपने गृह राज्य में परिवार के सदस्यों के सामने इंटरनेशनल मैच खेलने का मौका मिलेगा। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, ‘यह पूरी टीम के लिए खासकर पंजाब के खिलाड़ियों के लिए एक खास मौका होगा क्योंकि यह पहली बार है जब हम पंजाब में किसी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भारत की जर्सी पहनकर खेलेंगे।’

हरमनप्रीत ने कहा, ‘उम्मीद है कि मेरा पूरा परिवार स्टेडियम में मौजूद रहेगा और पहली बार मुझे एक साथ इंटरनेशनल मैच खेलते हुए देखेगा। इसमें मेरे पिता भी शामिल होंगे, जिन्होंने मुझे कभी स्टेडियम में बैठकर देश के लिए खेलते हुए नहीं देखा है।’ हरमनप्रीत देश के पहले ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने लगातार दो एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम का नेतृत्व किया है।

इस टूर्नामेंट से भारतीय हॉकी में पंजाब के लंबे समय से चले आ रहे योगदान पर भी ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है। ग्रासरूट अकादमियों और गांवों के खेल के मैदानों से लेकर इंटरनेशनल मंच तक, इस राज्य ने देश के कुछ सबसे मशहूर खिलाड़ी दिए हैं, जिनमें उधम सिंह, बलबीर सिंह सीनियर, मनप्रीत सिंह और खुद हरमनप्रीत सिंह शामिल हैं।

खासकर जालंधर का इस खेल के इतिहास से गहरा नाता रहा है, जहां संसारपुर और मीठापुर जैसे इलाकों में हॉकी खेलने वाले समुदायों ने कई पीढ़ियों तक प्रतिभाओं को निखारा है। बलेंटन पार्क स्थित ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक ओपनिंग सेरेमनी और लीग-स्टेज के मैच होंगे।



# त्योहारी सीजन में 7 लाख करोड़ से अधिक व्यापार का अनुमान- कैट

## दुर्गा पूजा से शुरू हुई रौनक, दिवाली तक बाजार में दिखेगी बंपर खरीदारी

## नई दिल्ली ।

देशभर में त्योहारी सीजन की धूम के साथ ही कारोबारियों के चेहरों पर भी रौनक आ गई है। व्यापारियों के इंगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस साल नवरात्रि से लेकर दिवाली तक 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार का अनुमान लगाया है, जो पिछले साल के मुकाबले काफी बेहतर रहने वाला

है।

कैट के अनुसार इस साल त्योहारी सीजन के दौरान देशभर में 7 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा पिछले साल के करीब 6.05 लाख करोड़ रुपए (जिसमें 5.40 लाख करोड़ का सामान और 65,000 करोड़ की सेवाएं शामिल थीं) के मुकाबले 15 से 18 फीसदी अधिक होगा।

कैट के एक अे अधिकारी ने



बताया कि बाजार में अच्छी मांग के चलते यह वृद्धि संभव है। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में दुर्गा पूजा की शुरुआत हो चुकी है, वहीं उत्तर भारत में नवरात्रि से लेकर दिवाली तक खरीदारी का सिलसिला तेज

होने की संभावना है। करवा चौथ, धनतेरस, गोवर्धन पूजा, भैया दूज, छठ पूजा, गुरु नानक जयंती और तुलसी विवाह जैसे कई त्योहारों के चलते व्यापारिक गतिविधियों में लगातार तेजी बनी रहेगी।

संक्षिप्त

समाचार

युद्धविराम के दावों के बीच यूक्रेन में रूस के हमले जारी, रिहायशी इमारत पर ड्रोन हमले में दो की मौत

कीव , एजेंसी। रूस ने सोमवार शाम एक बार फिर यूक्रेन पर घातक हमले किए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि इन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई जबकि नौ लोग घायल हुए हैं। उन्होंने एक बार फिर रूस पर और ज्यादा दबाव बनाने की बात दोहराई। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम की बात कह रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ रूस के हमले लगातार जारी हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ‘‘रूस लगातार हमारे लोगों के खिलाफ आतंक फैला रहा है। वह रिहायशी इमारतों पर हमले कर रहा है और लोगों की जान ले रहा है। सोमवार शाम के समय रूस ने कीव की एक ऊंची रिहायशी इमारत पर ‘शाहेद’ ड्रोन से हमला किया। अभी तक की जानकारी के अनुसार, इस हमले में दो लोगों की मौत हो चुकी है। मैं उनके परिवारों और करीबियों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। नौ लोग घायल हुए हैं। राहत और बचाव दल ने आग पर काबू पा लिया है।’’ जेलेंस्की ने पोस्ट में आगे लिखा, ‘‘ यह एक और सबूत है कि रूस पर और ज्यादा दबाव बनाने की जरूरत है। लगातार क्रूर हमले वही कर रहा है। युद्ध को लंबा खींचने वाला भी वही है। यहां तक कि अमेरिका के प्रस्ताव के जवाब में भी रूस की ओर से ‘शाहेद’ ड्रोन हमले ही देखने को मिल रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अमेरिका रूस की ओर से मिल रहे इन संकेतों को समझेगा और ठोस कदम उठाएगा। रूस को इस युद्ध को खत्म करने के लिए मजबूर करने के लिए मजबूती और सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

एशिया दौरे पर किम जोंग-उन से मिल सकते हैं ट्रंप, आसियान और एपेक में लेंगे हिस्सा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगले महीने एशिया दौरे के दौरान उनकी उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन से मुलाकात हो सकती है। व्हाइट हाउस में पत्रकार वार्ता में ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह इस यात्रा के दौरान किम से मिलने की योजना बना रहे हैं। इस पर उन्होंने जवाब दिया, ‘हां, हो सकता है।’ हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ऐसी मुलाकात कहां और कब हो सकती है। व्हाइट हाउस के हवाले से न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप 16 नवंबर को फिलीपींस की राजधानी मनीला में होने वाले आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके बाद वह चीन के शेनझेन जाएंगे, जहां 17 से 19 नवंबर तक एपेक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा। चीन में ट्रंप की इस साल तीसरी बार चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात होने की उम्मीद है। ट्रंप पहले भी कई बार कह चुके हैं कि वह किम जोंग-उन से दोबारा मिलना चाहते हैं। अगस्त में उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इस साल के अंत तक उनकी किम से मुलाकात होगी। जब उनसे पूछा गया था कि क्या वह 2026 में किम से मिलेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया था, ‘हां, बिल्कुल मिलूंगा। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अगस्त में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट दी थी।

मस्क ने अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी को दिए 2,500 करोड़ रुपये

वाशिंगटन, एजेंसी। एलन मस्क ने तीन नवंबर को होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के रिपब्लिकन पार्टी की मदद के लिए 27.6 करोड़ डॉलर (करीब 2,500 करोड़ रुपये) का चंदा दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की सोमवार की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई से अब तक दिए गए इस चंदे से उन राज्यों में रिपब्लिकन उम्मीदवारों के प्रचार अभियान को मजबूती मिली है, जहां डेमोक्रेटिक पार्टी से कड़ी चुनौती मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025-26 के चुनाव चक्र में मस्क अब तक रिपब्लिकन समूहों को कुल 36.6 करोड़ डॉलर दे चुके हैं। यह 2024 में डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान के लिए उनके 29 डॉलर डॉलर के योगदान से भी अधिक है। मस्क ने रिपब्लिकन सीनेट लीडरशिप फंड की 15.8 करोड़ डॉलर दिए, जिसे रिपोर्ट में अमेरिकी राजनीतिक इतिहास का सबसे बड़ा एकल राजनीतिक दान बताया गया है। इसके अलावा, उन्होंने रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवारों के समर्थन में सक्रिय अमेरिका पीपसी को 7.6 करोड़ डॉलर, हाउस रिपब्लिकन के प्रमुख सुपर पीपसी को 2 करोड़ डॉलर और टेक्सास में सीनेट उम्मीदवार केन पैक्सटन के समर्थन वाले समूह को 1 करोड़ डॉलर दिए। रिपब्लिकन गवर्नर्स एसोसिएशन को भी 10 मिलियन डॉलर मिले।

## रूसी डीजल डील पर ट्रंप के विरोध में उतरे अपने ही सांसद, तुरंत प्लान वापस लेने की मांग की

वॉशिंगटन, एजेंसी। छह सीनेटर्स के एक ग्रुप ने रविवार को प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से कहा कि वह ईंधन की ऊंची कीमतों को कम करने की कोशिश के तहत रूस से डीजल खरीदने के प्लान पर तुरंत अपना फैसला वापस लें। ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर यह ऐलान करके सांसदों को चौंका दिया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर एक डील की है। उन्होंने कहा कि रूस तुरंत अमेरिकी और ग्लोबल मार्केट में 300,000 टन से अधिक डीजल सप्लाई करेगा। इसके बाद नवंबर में 500,000 टन और उसके तुरंत बाद 1 मिलियन टन

डीजल सप्लाई करेगा. उन्होंने लिखा कि रूस उसके बाद थोड़े ही समय में 3 मिलियन टन और डीजल सप्लाई करेगा. चार रिपब्लिकन सीनेटर और दो डेमोक्रेटिक सीनेटर ने रविवार को जारी बयान पर साइन करके इस डील का विरोध किया. उन्होंने कहा कि सरकार कानून के मुताबिक अपने फैसले को सही ठहराने के लिए कांग्रेस से सलाह नहीं ले पाई या कोई सफाई नहीं दी. उन्होंने लिखा, ‘जब रूस यूक्रेनी नागरिकों को मार रहा है, तो अमेरिका को पुतिन को आर्थिक मदद नहीं देनी चाहिए. प्रशासन को तुरंत अपना रास्ता बदलना चाहिए,’ लिख रिपब्लिकन सीनेटर ने इस बयान पर साइन किया है, वे

# कांग्रेस का शाह से सवाल... मतदाता सूची से हटाए गए 14 करोड़ लोग वास्तव में घुसपैटिए हैं?

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अपना हमला और तेज किया है। कांग्रेस महासचिव और सांसद जयराम रमेश ने केंद्रीय गृह मंत्री से सीधा और तीखा सवाल पूछा कि क्या वह यह कहना चाहते हैं कि इस प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए करीब 14 करोड़ भारतीय नागरिक वास्तव में घुसपैटिए हैं? कांग्रेस नेता रमेश ने इस सवाल के जरिए शाह के उन दावों पर निशाना साधा है, जिसमें वे विपक्ष पर घुसपैटियों को बचाने का आरोप लगाते रहे हैं।

जयराम रमेश ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की पूरी कवायद को शाह इस्टिगेटेड रिमूवल (शाह द्वारा उकसाया गया निष्कासन) करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह की जोड़ी ने सुनियोजित तरीके से करीब 14 करोड़ वैध भारतीय नागरिकों को उनके सबसे बुनियादी मताधिकार से वंचित कर दिया है।



कांग्रेस नेता ने गंभीर सवाल उठाया कि यदि गृह मंत्री के दावों को सही मान लिया जाए कि मतदाता सूची से हटने वाले लोग घुसपैटिए हैं, तब क्या इसका यह मतलब है कि उनकी निगरानी में देश में 14 करोड़ घुसपैटिए चोरी-छिपे दाखिल हो गए थे, जिन्हें अब जाकर बुनियादी मताधिकार से वंचित कर दिया है?

कांग्रेस नेता ने एसआईआर का कड़ा विरोध कर गृह मंत्री शाह से तीन स्पष्ट सवाल पूछे। उन्होंने जानना चाहा कि इस प्रक्रिया के दौरान अब तक कितने वास्तविक घुसपैटियों की पहचान की गई है, उनमें से कितने के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, और महत्वपूर्ण रूप से, उनमें से कितने को देश से बाहर

निकाला गया है? जयराम रमेश ने कहा कि देश के करीब 100 करोड़ नागरिकों को इस कठिन और लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है, इसके बाद जनता को इस पूरी कवायद के वास्तविक और पारदर्शी नतीजे जानने का पूरा अधिकार है। उनका कहना है कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इस व्यापक अभियान का अंतिम उद्देश्य क्या था और क्या यह सफल रहा।

कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस हालिया बयान के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैटियों को बचाने का आरोप लगाया था। शाह ने अपने बयान में स्पष्ट किया था कि मतदाता सूची में बने रहने के लिए भारतीय नागरिकता और निर्धारित आयु ही एकमात्र कानूनी और अटल पैमाना है। इस आरोप-प्रत्यारोप से आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची की शुचिता को लेकर राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

## पंजाब बीजेपी का आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला

-सीबीआई जांच और सीएन के इस्तीफे की मांग

चंडीगढ़, एजेंसी।

पंजाब के मानसा में नशा-विरोधी कार्यकर्ता परिवर्तन सिंह झोटा की दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या के बाद राज्य की राजनीति में सियासी उबाल है। पंजाब भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लैं ने इस हत्याकांड के पीछे पुलिस और लोकल तंत्र की नाकामी का आरोप लगाकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखा है। बीजेपी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की है और बिगड़ती कानून-व्यवस्था का हवाला देकर मुख्यमंत्री भगवंत मान के तुरंत इस्तीफे की मांग की है। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष ढिल्लैं ने कहा कि पंजाब में रोजाना हत्याएं, गैंगवार और नशा तस्करी की घटनाएं हो रही हैं, जिससे सूबे में भय का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि झोटा

की हत्या उस समय की गई जब उन्होंने नशीली दवाएं बेचने वाली एक केमिस्ट दुकान का भंडाफोड़ किया था। मृतक के पिता के बयानों का हवाला देकर बीजेपी नेता ने दावा किया कि यह अवैध कारोबार लोकल विधायक और पुलिस तंत्र की मिलीभगत से चल रहा है। बीजेपी नेता ढिल्लैं ने राज्य सरकार की घेराबंदी कर कहा कि आज ही सीमा सुरक्षा बल (बोएसएफ) ने अमेठी), अभय सिंह (गोसाईगंज, अयोध्या) और विनोद चतुर्वेदी (कालपी, जालौन), आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने अमृतसर में इन तीनों विधायकों ने वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव सपा के टिकट पर जीता था, लेकिन 2024 के राज्यसभा चुनाव के दौरान इन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की थी, जिसके बाद से ही इनके भाजपा में जाने की अटकलें तेज थीं। भाजपा में शामिल होने के बाद तीनों विधायकों ने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर जमकर हमला बोलकर अपने दल-बदल के पीछे के कारणों का खुलासा

# विधानसभा चुनाव से पहले सपा को झटका: 3 बागी विधायक भाजपा में शामिल

### अखिलेश यादव की बड़ी चुनौती

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। सपा के तीन प्रमुख बागी विधायक, राकेश प्रताप सिंह (गौरीगंज, अमेठी), अभय सिंह (गोसाईगंज, अयोध्या) और विनोद चतुर्वेदी (कालपी, जालौन), आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इन तीनों विधायकों ने वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव सपा के टिकट पर जीता था, लेकिन 2024 के राज्यसभा चुनाव के दौरान इन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की थी, जिसके बाद से ही इनके भाजपा में जाने की अटकलें तेज थीं।

भाजपा में शामिल होने के बाद तीनों विधायकों ने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर जमकर हमला बोलकर अपने विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि अयोध्या में राम



किया। गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह हाईकमान द्वारा विधायकों को दर्शन करने से रोकना करोड़ों लोगों की जन-आस्था पर से रोकने वालों का साथ देना उनके लिए संभव नहीं था। कालपी से विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि अयोध्या में राम

मंदिर के भव्य उद्घाटन के समय सपा ने कहा कि रामचरितमानस का अपमान करने वालों और भगवान श्री राम के दर्शन से रोकने वालों का साथ देना उनके लिए संभव नहीं था। कालपी से विधायक आदित्यनाथ के विकास कार्यों की सराहना कर कहा कि जनता के समग्र विकास के

लिए उन्होंने भाजपा का दामन थामा है। गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने दावा किया कि उनके क्षेत्र की 98 प्रतिशत जनता और बृथ स्तर के कार्यकर्ता भी सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके साथ करीब एक हजार स्थानीय जनप्रतिनिधि भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। इस राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देकर यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जन-कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर जन-प्रतिनिधि लगातार भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। तीन विधायकों के इस दलबदल से आगामी लोकसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी के रणनीतिक खेमे को एक बड़ा नुकसान पहुंचा है, और यह अखिलेश यादव के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

## रियाद में सुपर्द-ए-खाक किए गए यूसुफ अली: हूती के हमले में गई थी जान, अंतिम विदाई में भारतीय राजदूत रहे मौजूद

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 10 अक्टूबर को हुए हमले में जान गंवाने वाले भारतीय नागरिक मोहम्मद यूसुफ अली को अंतिम विदाई दी गई। सऊदी अरब में भारत के राजदूत विपुल और भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने अंतिम संस्कार में शामिल होकर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई। इस दौरान राजदूत ने परिवार को भरोसा दिलाया कि मुश्किल की इस घड़ी में भारतीय दूतावास उनके साथ खड़ा है और हर जरूरी मदद मुहैया कराता रहेगा।

अंतिम संस्कार में शामिल हुए भारतीय राजदूत : रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। दूतावास के मुताबिक, राजदूत विपुल और मिशन के अधिकारी मोहम्मद यूसुफ अली के परिवार के सदस्यों और शुभचिंतकों के साथ अंतिम संस्कार में शामिल हुए। राजदूत ने परिवार से मुलाकात कर दुख जताया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने परिवार को यह भी भरोसा दिया कि दूतावास की ओर से आगे भी हर संभव सहायता जारी रहेगी।

एयरपोर्ट पर हमले में गई थी भारतीय नागरिक की जान : मोहम्मद यूसुफ अली की मौत 10 अक्टूबर को रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले में हुई थी। इस हमले में कई लोग घायल भी हुए थे, जिनमें 10 भारतीय नागरिक शामिल हैं। सऊदी अरब ने इस हमले के लिए यमन के हूती



विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। इस घटना ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। दूतावास ने बताया कि मोहम्मद यूसुफ अली के परिवार को जरूरी सहायता दी गई। साथ ही, अंतिम संस्कार से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करने में भी मदद की गई, ताकि परिवार को इस कठिन समय में प्रशासनिक प्रक्रियाओं के लिए परेशान न होना पड़े। दूतावास ने कहा कि वह प्रभावित परिवार के संपर्क में बना हुआ है और जरूरत के मुताबिक मदद उपलब्ध करा रहा है। हमले में घायल भारतीय नागरिकों की स्थिति जानने के लिए भारतीय दूतावास के अधिकारी अस्पतालों का दौरा भी कर रहे हैं। वहां इलाज करा रहे लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी ली जा रही है। इसके साथ ही, घायलों के परिवारों से भी लगातार संपर्क बनाए रखा गया है। दूतावास का कहना है कि प्रभावित भारतीयों और उनके परिवजनों की हर संभव सहायता दी जा रही है। भारत ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। भारत ने कहा कि सऊदी अरब में आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर बार-बार किए जा रहे हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। भारत ने ऐसे हमलों को तुरंत रोकने की मांग भी की है।